कोटद्वार, गुरूवार
16 अप्रैल 2026
वर्षः 48
अंकः 314 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अमरावती यौन उत्पीड़न के आरोपी के घर बुलडोजर ऐक्शन

● दावा-180 नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया,350 वीडियो मिले

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परतवाड़ा में लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के घर पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाया। जांच के लिए प्रशासन ने 46 सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तनवीर समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लड़कियों को फंसाते थे, फिर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाते थे। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया। जहां उन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दावा है कि आरोपियों के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं,

जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे थे। अब तक किसी ने शिकायत नहीं की पुलिस ने बताया कि अब तक किसी भी पीड़ित ने शिकायत के लिए सीधे संपर्क नहीं किया है। पुलिस ने पीड़ितों और उनके परिवारों से आगे आकर जांच में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही उनकी पहचान सुरक्षित रखने का आश्वासन दिया है। तनवीर को 11 अप्रैल को हिरासत में लिया गया, जब उसके साथ कुछ महिलाओं और लड़कियों के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

आरोपी का मोबाइल फोन जब्त

अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी ने अश्लील वीडियो अपने दोस्तों या किसी संगठित गिरोह के साथ शेयर किए थे या नहीं। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस डिवाइस में कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से लग गया बड़ा झटका

● ट्रांजिट जमानत पर रोक, तेलंगाना एचसी के फैसले को पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की ट्रांजिट बेल पर रोक लगा दी है। मालूम हो कि, यह बेल उन्हें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कथित तौर पर कई पासपोर्ट रखने का आरोप लगाने के मामले में दर्ज एफआईआर के सिलसिले में दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस.चांदुरकर की बेंच ने खेड़ा को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट ने खेड़ा को दी गई अग्रिम (ट्रांजिट) बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हालांकि, बेंच ने यह भी कहा कि अगर खेड़ा असम में अग्रिम बेल के लिए आवेदन करना चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश उनके आड़े नहीं आएगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फिर शुरू होगी बातचीत

भारतीय-डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन रवाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से रुकी हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। केंद्र सरकार का एक हाई-लेवल डेलिगेशन अगले सप्ताह वॉशिंगटन रवाना होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब

अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों की वजह से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की इस यात्रा की पुष्टि की। पहले इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प शासन के दौरान लागू टैरिफ व्यवस्था और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले ने स्थितियों को कठिन बना दिया है। दोनों देशों ने फरवरी में व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा तैयार कर ली थी। इस फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आयात शुल्क यानी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी करने पर सहमत हो गया था।

चीन की 'आंख' से ईरान ने की अमरीका की जासूसी

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर बरसाए बम,रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर रखने और हमलों को टारगेट करने के लिए एक चीनी सैटेलाइट का इस्तेमाल किया। यह दावा फाइनेंशियल टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में किया गया है, जिसमें लीक हुए ईरानी सैन्य दस्तावेज और सैटेलाइट डेटा का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह सैटेलाइट 2024 के अंत में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स ने हासिल किया था। इसे चीन की कंपनी अर्थ आई कंपनी ने बनाया था और इन-ऑर्बिट डिलीवरी मॉडल के तहत अंतरिक्ष में ही ईरान को ट्रांसफर किया गया।

हालांकि, चीन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज

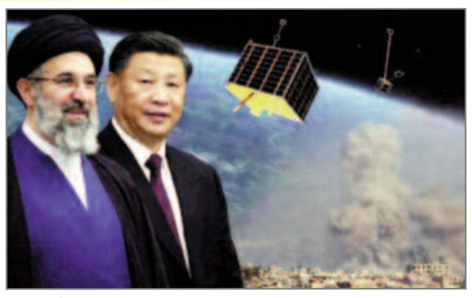

किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया में आई ये रिपोर्टें पूरी तरह झूठी हैं और अगर अमेरिका इन आरोपों के आधार पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा।

सैटेलाइट के जरिए अमेरिकी ठिकानों की निगरानी

लीक दस्तावेजों के अनुसार, मार्च में हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों से पहले और बाद में ईरानी कमांडरों ने इस सैटेलाइट के जरिए कई अहम अमेरिकी ठिकानों की निगरानी की। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस की 13, 14 और 15 मार्च को तस्वीरें ली गई। 14 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पुष्टि की थी कि वहां मौजूद अमेरिकी विमानों को नुकसान हुआ था और पांच एयर फोर्स के रिफ्यूलिंग विमान क्षतिग्रस्त हुए थे। इसके अलावा जॉर्डन का मुवाफ्फाक सल्ती एयर बेस, बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट का ठिकाना, इराक का एरबिल एयरपोर्ट, कुवैत के कैंप ब्यूहरिंग और अली अल सलेम एयर बेस भी निगरानी में थे।

नागरिक ठिकाने भी आए नजर

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र के कुछ नागरिक ठिकानों पर भी नजर रखी गई। इनमें यूएई का खोर फक्कन पोर्ट और किदफा पावर प्लांट, साथ ही बहरीन का अल्बा एल्युमिनियम प्लांट शामिल हैं। इस समझौते के तहत ईरान को बीजिंग स्थित एम्पोसैट कंपनी के ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का एक्सेस मिला, जिससे वह अलग-अलग जगहों से सैटेलाइट को ऑपरेट कर सकता था और तस्वीरें हासिल कर सकता था। दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे सिस्टम के लिए आईआरजीसी ने करीब 250 मिलियन युआन (लगभग 36.6 मिलियन डॉलर) का भुगतान करने पर सहमति दी थी, जिसमें लॉन्च और तकनीकी सेवाएं भी शामिल थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सैटेलाइट ईरान की सैन्य क्षमता में बड़ा सुधार दिखाता है।

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाएगा भारत

रूस के साथ बड़ी साझेदारी की तैयारी में इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत के महत्वाकांक्षी स्पेस स्टेशन प्रोजेक्ट 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के निर्माण में रूस के साथ साझेदारी की इच्छा जताई है। इसरो के वरिष्ठ अधिकारी ने मॉस्को में आयोजित एक अंतरिक्ष मंच पर यह जानकारी दी। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज ने कहा कि बीएएस के विकास में रूस के अनुभव का लाभ उठाने के लिए भारत सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं। इसरो के मुताबिक, भारत का प्रस्तावित स्पेस स्टेशन 2035 तक तैयर होगा और पृथ्वी से करीब 450 किमी की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा

और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह रूसी स्पेस स्टेशन आरओएस के समान होगा। भारत अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ भी सहयोग की संभावनाएं तलाश रहा है। मौजूदा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों के निर्माण के अवसर बढ़ रहे हैं।

रूस की तकनीकी मदद अहम, दशकों पुराना अंतरिक्ष सहयोग

रूस, भारत को ऑर्बिटल मॉड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और डॉकिंग सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग दे सकता है। रूस के पास 'एमआईआर' स्पेस स्टेशन और आईएसएस के रूसी हिस्से 'रशियन ऑर्विटल सेग्मेंट' का व्यापक अनुभव है। भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में सोवियत संघ (अब रूस) ने मदद की थी। 1975 में भारत के पहले उपग्रह आर्यभट का प्रक्षेपण भी सोवियत संघ से हुआ था। क्रायोजेनिक इंजन तकनीक और गगनयान मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण में भी रूस ने अहम भूमिका निभाई है। भारत और रूस की यह साझेदारी दोनों देशों के 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक संबंध' का मजबूत आधार रही है। अब बीएएस प्रोजेक्ट के जरिए यह सहयोग अंतरिक्ष में नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

नासिक धर्मांतरण केस के पीछे संगठित नेटवर्क का खुलासा

● आर्थिक रूप से कमजोर नई कर्मचारियों को करते थे टारगेट ● शिकायत करने पर फटकारती थी मैनेजर,निदा खान गिरफ्तार

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस कंपनी ऑफिस में धर्म परिवर्तन, यौन शोषण केस की पुलिस जांच में सामने आया है कि एक संगठित नेटवर्क नए कर्मचारियों को निशाना बनाता था। इस केस में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी नई जॉइन करने वाली कर्मचारियों की निजी जानकारी के

आधार पर 'टारगेट' चुनते थे। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे कर्मचारियों को निशाना बनाया जाता था। अब तक की जांच के अनुसार गिरफ्तार मैनेजर अश्विनी चेनानी ने तौसीफ अत्तार से 38 बार, दानिश शेख से 1 बार, रजा मेमन से 22 बार और आपत्तिजनक चैट की थी।

सम्राट चौधरी बने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री

● शपथ के बाद नीतिश के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

जेडीयू से विजय चौधरी-बिजेंद्र यादव डिप्टी सीएम बने

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतिश

कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतिश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।'

पाक-चीन के खिलाफ तीनों सेनाओं की दो संयुक्त कमान

● तीन थिएटर कमान का ब्लूप्रिंट तैयार,वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार तीनों सेनाओं के ढांचे में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसके तहत अब थल, वायु और नौसेना संयुक्त रूप से थिएटर कमान के तौर पर काम करेंगी। पाकिस्तान से निपटने के लिए वेस्टर्न तो चीन से मुकाबले के लिए नार्दर्न थिएटर कमान होगी। हिंद महासागर के बड़े समुद्री क्षेत्र की रखवाली के लिए मैरीटाइम कमान बनेगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अगुवाई में डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स ने पिछले सैन्य संघर्षों के अनुभवों से सबक लेते हुए इनके ब्लूप्रिंट तैयार किए हैं। इन्हें अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास

भेजेंगे। फिर कैबिनेट समिति मुहर लगाएगी। सीडीएस का विस्तारित कार्यकाल मई अंत में पूरा हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि जनरल चौहान के अवकाश ग्रहण करने के बाद सीडीएस के साथ वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा।

● **जल्द मिलेंगी 4 नई फोर्स, वेस्टर्न कमान वायुसेना संभालेगी**- देश को डिफेंस जियो स्पेशियली एजेंसी, डेटा, ड्रोन और कॉग्नेटिव वॉरफेयर एक्शन फोर्स मिलेंगी। कॉग्नीटिव फोर्स ह्यूमन माइंड्स के बैटलफील्ड पर काम करेगी। प्रतिद्वंद्वी की सैन्य ताकत को मानसिक स्तर पर प्रभावित करने के तरीके अपनाएगी। नया सैन्य ढांचा- इसमें 5 फोर स्टार जनरल होंगे।

ईरान के लिए तारणहार बनेगा भारत का बनाया चाबहार पोर्ट!

● अमेरिकी नाकेबंदी पर बड़ा ऐलान, यूएई को भी तगड़ा झटका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ऐसा हथियार साबित हो रहा है जिसका अमेरिका और इजरायल के पास कोई तोड़ नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट पर से ईरानी कंट्रोल को खत्म करने के लिए अमेरिका ने नाकेबंदी लगाई है और युद्धपोतों के साथ हजारों की तादाद में सैनिकों को भी तैनात किया है। अब इसकी काट के लिए ईरान ने नई चाल चल दी है। ईरान ने कहा है कि वह दक्षिण ईरान में मौजूद अपने बंदरगाहों के इस्तेमाल की योजना बना रहा है ताकि अमेरिकी नाकेबंदी को फेल किया जा सके। ईरान के पास देश के दक्षिणी इलाके में दो बंदरगाह हैं पहला- बंदर अब्बास और दूसरा चाबहार। चाबहार पोर्ट को भारत ने करोड़ों डॉलर खर्च करके बनाया है। इन दोनों ही पोर्ट से भारत संग ईरान व्यापार करता है। ईरान का बंदर अब्बास पोर्ट ठीक होर्मुज स्ट्रेट के मुहाने पर है जिसे अमेरिका ने घेर रखा है। ऐसे में ईरान के पास चाबहार पोर्ट एक बड़े विकल्प के रूप में बचता है। अमेरिका ने सोमवार से ही अपने नाकेबंदी को लागू कर दिया है।

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान ने यूएई के प्रस्ताव को ठुकराया

इस बीच ईरान ने यूएई को भी होर्मुज स्ट्रेट पर बड़ा झटका दिया है। ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें उसने सेफ एक मेरिटाइम कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को यूएई ने इंटरनैशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के जरिए ने किया था जिसे संगठन ने स्वीकार कर लिया था। ईरान ने कहा है कि यूएई के इस प्रस्ताव का कोई कानूनी आधार नहीं है। साथ ही यह राजनीति से प्रेरित है। बता दें कि अमेरिका और इजरायल के बाद ईरान ने सबसे ज्यादा मिसाइल और ड्रोन हमला यूएई पर ही किया है। दोनों के बीच संबंधों में काफी तनाव देखा जा रहा है। यूएई लगातार होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और कोई टोल नहीं वसूलने की मांग कर रहा है।

अमेरिकी नाकाबंदी 'लापरवाही भरी चूक'

पाकिस्तान में ईरान के राजदूत ने मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकाबंदी को गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने और अपनी साख बचाने के लिए संभवत: की गई एक लापरवाही भरी चूक करार दिया। राजदूत रेजा अमीरी मोघदम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह बेकार के बयानों से लेकर लापरवाही भरी हरकतें करने तक और फिर वापस यही क्रम दोहराने का एक खतरनाक चक्र है।' उन्होंने कहा, नौसैनिक नाकेबंदी एक अवैध, उकसाने वाला और गैर-रचनात्मक कदम है, और यह संभवत: गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने तथा अपनी साख बचाने के लिए की गयी एक लापरवाही भरी चूक है। मोघदम ने कहा कि नौसैनिक नाकाबंदी का उद्देश्य यह धारणा बनाना है कि 'चीजें बलपूर्वक थोपी जा रही हैं और इस प्रकार गोला-बारूद की तैनाती, बयानबाजी, जानमाल के नुकसान और अमेरिकी करदाताओं पर पड़ने वाले बोझ को उचित ठहराना है।

अयोध्या के राम मंदिर पहुंचे कांग्रेस के 14 विधायक

● एमएलए ने कहा-हमारी जीवनभर की इच्छा आज पूरी हुई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस के विधायक टी.बी. जयचंद्र बुधवार को भगवान श्रीराम के दर्शन और उनका आशीर्वाद लेने के लिए अयोध्या पहुंचे। उन्होंने इस यात्रा को अपने जीवन के लिए एक बहुत ही खास और महत्वपूर्ण अनुभव बताया। उनका कहना था कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का पल है क्योंकि यह उनकी अयोध्या की पहली यात्रा है। टी.बी. जयचंद्र ने कहा कि वे लंबे समय से इस पवित्र स्थान पर आने की इच्छा रखते थे ताकि भगवान राम के दर्शन कर सकें और उनका आशीर्वाद ले सकें। उन्होंने यह भी बताया कि उनके साथ कर्नाटक के कई अन्य विधायक भी इस यात्रा में शामिल हुए हैं। कुल मिलाकर लगभग 13 से 14 विधायक अयोध्या पहुंचे हैं, जो सभी भगवान राम के दर्शन और आशीर्वाद के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि

श्रीराम जन्मभूमि पर जो भव्य मूर्ति स्थापित की गई है, वह एक बहुत ही सुंदर और खास कलाकृति है। इस मूर्ति को कर्नाटक के प्रसिद्ध शिल्पकार अरुण योगीराज ने बनाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। अयोध्या आना उनके लिए एक भावनात्मक और खुशी से भरा पल है, क्योंकि यह उनकी लंबे समय से पूरी होने वाली इच्छा थी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिला सशक्तिकरण की दिशा में युगांतकारी कदम :सीएम

देहरादून। देहरादून स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद द्वारा 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में एक युगांतकारी कदम है। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं, बल्कि नीति–निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि शक्ति के बिना कोई भी सृजन संभव नहीं है। आज की महिला किसान, उद्यमी, पंचायत प्रतिनिधि और संसद में नीति निर्धारण करने वाली नेतृत्वकर्ता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, जन–धन योजना, मातृत्व वंदना योजना, स्वच्छ भारत मिशन और लखपति दीदी योजना जैसी योजनाओं से मातृशक्ति को सम्मान और अवसर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार भी महिलाओं के कल्याण के लिए समर्पित है। सशक्त बहना उत्सव योजना, महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना और मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। "हाउस ऑफ हिमालयाज" नामक अम्ब्रेला ब्रांड के जरिए महिला समूहों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2 लाख 65 हजार से अधिक महिलाएं "लखपति दीदी" बन चुकी हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि यह अधिनियम केवल कानून नहीं बल्कि भारत के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी प्रयास है। महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि अब महिलाएं केवल प्रतिनिधित्व नहीं करेंगी बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्र बनेंगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 16 अप्रैल से संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विशेष सत्र प्रस्तावित है और दशकों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार होने की ओर है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, पद्मश्री माधुरी बर्थवाल, भाजपा नेत्री सुश्री दीप्ति रावत, रूचि भट्ट सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

सीएम धामी ने किया 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को परेड ग्राउंड, देहरादून स्थित बहुद्देशीय क्रीड़ा हॉल में 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि राज्य को पहली बार इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने इसके लिए भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का भी आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधार है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे जीवन–मूल्य विकसित होते हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे न केवल अपने–अपने राज्यों का बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और संकल्प ही भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेबल टेनिस ऐसा खेल है जिसमें गति, संतुलन, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का समन्वय आवश्यक होता है। यह खेल खिलाड़ियों को त्वरित निर्णय क्षमता, रणनीतिक सोच और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में मरीन ड्राइव की घोषणा से रोजगार सृजन की जगी आस

श्रीनगर गढ़वाल। दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से श्रीनगर क्षेत्र में मरीन ड्राइव (डबल लेन) की घोषणा से लोगों में इसके निर्माण की नई आस जगी है। इस परियोजना के तहत पंचपीपल से श्रीकोट तक प्रस्तावित मरीन ड्राइव के निर्माण से श्रीनगर को एक नया स्वरूप दिए जाने की योजना है।

इससे यहां रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे व पर्यटन की दृष्टि से श्रीनगर देश के प्रमुख नगरों में शुमार होगा। श्रीनगर में मरीन ड्राइव की योजना नगर पालिका अध्यक्ष मोहन लाल जैन के कार्यकाल के दौरान जीवीके परियोजना का निर्माण के साथ प्रस्तावित हुई थी। करीब पांच साल पहले भी श्रीनगर विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस योजना को धरातल पर उतारने की बात कही थी। अब एक बार फिर केंद्रीय मंत्री की ओर से 800 करोड़ की लागत से मरीन ड्राइव निर्माण की घोषणा से स्थानीय लोगों सहित भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। इसके लिए भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का आभार जताया। आभार जताने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, जिला महामंत्री गणेश भट्ट, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमिला भंडारी, अतर सिंह असवाल आदि शामिल रहे।

सेना की सूर्य देवभूमि चैलेंज 2.0 प्रतियोगिता आज से

चमोली। गढ़वाल के हिमालयी क्षेत्र में भारतीय सेना की ओर से सूर्य देवभूमि चैलेंज 2.0 प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 20 अप्रैल तक किया जाएगा। 113 किमी लंबी इस यात्रा में तीन केदार शामिल हैं। सेना की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस आयोजन का उद्देश्य साहसिक खेलों के माध्यम से विरासत संरक्षण, पर्यटन और विकास को बढ़ावा देना है।

वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत यह आयोजन सीमांत गांवों में रोजगार और पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा। इस यात्रा में कल्पेश्वर, रुद्रनाथ और तुंगनाथ शामिल हैं। प्रतियोगिता में 300 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इसमें 200 पुरुष–महिलाएं और 100 सेवा कर्मी शामिल हैं। विभिन्न आयु वर्ग के लिए 14 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी गई है। प्रतियोगिता तीन चरणों में होगी। प्रथम दिवस हेलंग से कलगोठ 36 किमी की दूरी, दूसरे दिन कलगोठ से मंडल 39 किमी और तीसरे दिन मंडल से ऊखीमठ 38 किमी की दूरी तय की जाएगी।

शिविर का विद्यार्थियों ने उठाया लाभ

श्रीनगर गढ़वाल। रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए दो दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का कक्षा 5वीं से 7वीं तक के कुल 306 विद्यार्थियों ने लाभ उठाया। शिविर का संचालन सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों डॉ. अनुज अवस्थी, डॉ. शाल्वी सिंह, डॉ. चंचल, डॉ. सुबीन एवं डॉ. विवेक द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच तथा स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी जानकारी प्रदान की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. रेखा उनियाल ने सामुदायिक चिकित्सा कार्यालय चौरास एवं बेस हॉस्पिटल श्रीकोट के चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

नाबालिग की शादी रुकवाई

रुद्रप्रयाग। प्रशासन ने बाल विवाह के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए नाबालिग की शादी रुकवा दी। नाबालिग की शादी की चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचना मिली। इस पर जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक रंजना गैरोला भट्ट, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष रंजू खन्ना, सदस्य ममता शैली, दलवीर सिंह रावत, चाइल्ड हेल्पलाइन के केस वर्कर अखिलेश, सामाजिक कार्यकर्ता पूजा भंडारी तथा तिलवाड़ा चौकी से कांस्टेबल डीसी पुरोहित मौके पर पहुंचे।

पूछताछ में नाबालिग की मां ने बताया कि बेटी का देहरादून के एक युवक से प्रेम प्रसंग था। घर से चले जाने की आशंका के कारण उसका विवाह किया जा रहा था। टीम ने परिजनों को बाल विवाह अधिनियम के तहत 2 वर्ष की सजा और एक लाख रुपये जुर्माने के प्रावधान की जानकारी दी। इस पर परिजनों ने बरात न बुलाने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने बताया कि अब तक जनपद में 26 बाल विवाह रुकवाए जा चुके हैं। वहीं ऐसे मामलों में सख्ती लगातार जारी रहेगी।

केदारनाथ यात्रा : पैदल मार्ग रोशनी से हुआ जगमग

रुद्रप्रयाग। 22 अप्रैल से शुरू होने वाली केदारनाथ यात्रा से पहले प्रशासन ने गौरीकुंड से केदारनाथ तक मार्ग को रोशन कर दिया है। पूरे पैदल मार्ग पर 600 स्ट्रीट लाइट और 200 सोलर लाइटें लगा दी गई हैं। वहीं यात्रा तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए मार्ग पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उधर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा भी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। विभागीय टीमें भी लगातार फील्ड में जुटी हैं। पैदल मार्ग पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था के साथ विभिन्न स्थानों पर साइनेज और डायवर्जन बोर्ड भी लगाए गए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि यात्रा मार्ग पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जुटा ली गई हैं।

हज यात्रियों को दी ट्रेनिंग, दुआओं की गुजारिश

देहरादून(। हज यात्रा पर जा रहे हज यात्रियों को बुधवार को मदरसा जामिया उल उलूम माजरा में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान इमाम संगठन अध्यक्ष मुफ्ती रईस कासमी, शहर मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, मुफ्ती हुजैफा ने उन्हें हज के अरकान और उनको करने के तरीके के अलावा सावधानियां बताई। हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार हज यात्रियों के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मुफ्त टीकाकरण और मेडिकल कराया गया है। प्रदेश से 1362 और देहरादून से 472 यात्री हज यात्रा पर जा रहे है। इस दौरान उप निदेशक हरीश बसेड़ा, ईओ मोहम्मद आरिफ, मौलाना शाकिर, मुफ्ती ताहिर, मौलाना एजाज, मौलाना रागिब मजाहिरी, मौलाना बुरहानुद्दीन, मास्टर अब्दुल सत्तार, पूर्व पार्षद आफताब आलम, मास्टर मुस्तकीम, तारिक हुसैन, गुलफाम शेख, इमरान, अब्दुल कादिर, इजहार आदि मौजूद रहे।

राज्य में बनेंगे 50 स्विफ्ट स्कूल, 1000 छात्रों को लैपटॉप

देहरादून। उत्तराखंड के 50 स्कूलों को स्विफ्ट मॉडल के स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बुधवार को बताया कि इसके लिए शिक्षा विभाग एवं कॉन्वजीनियस फाउंडेशन के बीच एमओयू भी हो गया है। फाउंडेशन एमेजन वेसब सर्विस के सहयोग से छात्र–छात्राओं को एक हजार लैपटॉप भी देगा।डॉ. रावत ने बताया कि स्विफ़्ट स्कूल में आधुनिक तकनीकि डिजीटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। 'स्विफ्ट स्कूल' एक एकीकृत विद्यालय परिवर्तन मॉडल है। इसमें व्यक्तिगत शिक्षण, कक्षाओं में आधुनिक तकनीक का उपयोग, शिक्षकों को डेटा आधारित सहायता के साथ ही डिजीटल संसाधनों का भी समावेश होगा।

नारी शक्ति से सुरक्षित होंगी चारधाम की यात्रा : बत्रा

देहरादून। चारधाम यात्रा 2026 को सुरक्षित और संवेदनशील बनाने के लिए उत्तराखंड परिवहन विभाग ने 'नारी शक्ति' पर भरोसा जताया है। बुधवार को 'नारी शक्तिझ सड़क सुरक्षा संकल्प' कार्यक्रम में परिवहन क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं के साहस और कौशल को सराहा गया। राजपुर रोड स्थित होटल में मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि चारधाम यात्रा जैसे बड़े आयोजन में महिलाओं की भागीदारी केवल सहभागिता नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के आने से परिवहन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनेगी। विशिष्ट अतिथि एवं उद्यमी मनीषा बत्रा ने कहा कि परिवहन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में महिलाओं का आगे आना समाज के लिए प्रेरणादायक है। संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव कुमार मेहरा ने विश्वास दिलाया कि विभाग महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण और सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में लगभग 120 महिला अधिकारी और कर्मचारी प्रवर्तन कार्यों में दिन–रात सक्रिय हैं। इस अवसर पर आरटीओ डॉ. अनीता चमोला, रश्मि पंत, एल्विन रॉक्सी, अंजुलिका शर्मा, अमिता सियानी, नीता भंडारी, सुरेखा, रुकसाना सहित परिवहन विभाग की महिला प्रवर्तन टीम मौजूद रही।इन महिला सारथियों का हुआ सम्मानपरिवहन क्षेत्र में मिसाल पेश करने वाली ऑटो चालक बीना, गुलिस्ता, रानू, सैना, ड्राइविंग प्रशिक्षु बीना नेगी, प्रीति सूर्य, मैनेजर मोनिका और रोडवेज (हिल डिपो) की चालक–परिचालक साक्षी शर्मा, इरा, सीमा, विभा, मंजू, सुनीता, गोदंबरी और गीता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

यात्रा से पूर्व बीकेटीसी करेगी अपनी परिसंपत्तियों का रखरखाव

चमोली। बीकेटीसी के उपाध्यक्ष और अधिशासी अभियंता ने बुधवार को श्रीबदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर और अपर बाजार कर्णप्रयाग के यात्री विश्राम गृह का औचक निरीक्षण किया। ईई ने कहा कि चारधाम यात्रा से पूर्व समिति अपनी परिसंपत्तियों का उचित रखरखाव करेगी। बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती और अधिशासी अभियंता विपिन तिवारी बुधवार को श्रीबदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर पहुंचे। उन्होंने बताया कि संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समिति की ओर से संचालित सभी संस्कृत महाविद्यालयों की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए बेहतर कार्य योजनाएं बनाई जा रही हैं। इस दौरान श्री बदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर के छात्र–छात्राओं और शिक्षकों ने उन्हें ज्ञापन दिया। उन्होंने छात्र–छात्राओं के लिए पृथक–पृथक छात्रावास निर्माण करने, वेद, योग, व्याकरण, कर्मकांड विषय के अध्यापकों की तैनाती करने, छात्रों के लिए भोजन कक्ष और अतिथि कक्ष का निर्माण करने, छात्र–छात्राओं के लिए शौचालयों का निर्माण कार्य करने की मांग की। वहीं नगर पालिका कर्णप्रयाग की सभासद हेमा डिमरी, अपर बाजार व्यापार संघ के अध्यक्ष अनिल खंडूड़ी ने दिए ज्ञापन में बीकेटीसी के विश्राम गृह के मरम्मत की मांग की। इस मौके पर श्री बदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर के प्राचार्य डॉ. माता राम पुरोहित, सचिन पुरोहित, हिमांशु जोशी और वेद प्रकाश आदि मौजूद थे।

महिला कांग्रेस का फीस वृद्धि के विरोध में मंत्री आवास कूच, नारेबाजी

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस ने फीस वृद्धि और शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के आवास का घेराव कर नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारी बैरीकेड पर चढ़ गए। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में लगातार बढ़ रही स्कूल फीस और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के आवास कूच किया। इस दौरान पुलिस फोर्स ने प्रदर्शनकारियों को बैरीकेडिंग लगाकर मंत्री आवास से पहले ही रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला बैरीकेड पर चढ़ गईं और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। उन्होंने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं।

रेड क्रॉस ने नर्सिंग संस्थान में सीपीआर व आपदा सहायता का दिया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा। मां अंबे इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस में रेड क्रॉस समिति की ओर से व्याख्यान और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और सामाजिक सेवा से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की प्रबंधक चंपा कनवाल ने संस्थान की गतिविधियों और नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देकर की। इसके बाद रेड क्रॉस से जुड़े वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। पूर्व स्वास्थ्य निदेशक डॉ. जे सी दुर्गापाल ने रेड क्रॉस के इतिहास, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए युद्ध और शांति के समय किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने दुर्घटना के बाद 'गोल्डन ऑवर' के महत्व और गर्मियों में आंखों से संबंधित समस्याओं से बचाव के उपाय भी बताए। जिला चेयरपर्सन आशीष वर्मा ने सीपीआर की प्रक्रिया को समझाते हुए छात्र–छात्राओं को डमी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया और बताया कि आपात स्थिति में किस प्रकार मानसिक संतुलन बनाए रखते हुए मरीज की सहायता की जाती है। रेड क्रॉस सदस्य हरीश कनवाल ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी और रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए युवाओं से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

कानून–व्यवस्था सुदृढ़ करने और राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश

अल्मोड़ा। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कानून–व्यवस्था, राजस्व वसूली तथा विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन विभाग, नियमित पुलिस, राजस्व पुलिस, वन विभाग और राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए विभागीय प्रगति, लंबित मामलों और राजस्व न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों पर चर्चा की गई। बैठक में कानून–व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए आपराधिक गतिविधियों, विशेषकर महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी रखने और किसी भी आपराधिक घटना पर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया। मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज़ किए गए वाहनों के समयबद्ध निस्तारण तथा प्रवर्तन कार्यों को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। राजस्व प्राप्ति और कर संग्रह की समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने और राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री कोष से आर्थिक सहायता से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने और लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत गौरी प्रभात, उपजिलाधिकारी संजय कुमार सहित सभी तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में दो कर्मचारियों से ढाई लाख की लूट

रुद्रपुर। संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से रुद्रपुर से दिल्ली जा रहे ऑटो स्पेयर पार्ट्स की दुकान के दो कर्मचारियों से तीन नकाबपोश बदमाशों ने ढाई लाख रुपये की नकदी लूट ली। दोनों कर्मचारी रुद्रपुर से ट्रेन में सवार हुए थे और वारदात बिलासपुर स्टेशन के पास हुई। सूचना मिलने के बाद जीआरपी और आरपीएफ मामले की जांच में जुट गए हैं। रुद्रपुर की सिंह कॉलोनी निवासी मंजीत सिंह की ह्यजपनीत ऑटो पार्ट्सह्व नाम से दुकान है। उन्होंने बताया कि उनकी दुकान में रितिक मंडल और साहिब सिंह कार्यरत हैं। दोनों बुधवार सुबह करीब 10 बजे रुद्रपुर रेलवे स्टेशन से संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के डी–1 कोच में सीट नंबर 37 और 38 पर सवार हुए थे। उन्हें दिल्ली से माल खरीदने जाना था। बताया गया कि बिलासपुर के पास तीन नकाबपोश बदमाश उनकी सीट पर पहुंचे और खुद को पुलिस बताते हुए उन्हें तस्कर कहकर असलहा तान दिया। इसके बाद वे दोनों को जबरन ट्रेन के गेट की ओर ले गए। डराने के लिए बदमाशों ने ट्रेन से बाहर दो राउंड फायर भी किए और उनसे करीब ढाई लाख रुपये लूट लिए। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने मंजीत सिंह और बिलासपुर जीआरपी को सूचना दी। रुद्रपुर जीआरपी चौकी प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ितों की ओर से तहरीर दी गई है और मामला जीआरपी रामपुर में दर्ज किया जाएगा।

पूर्व विधायक पाल ने आंगनबाड़ी के कम मानदेय पर उठाए सवाल

रुद्रपुर। आंगनबाड़ी कार्यकर्तों के चल रहे कार्य बहिष्कार के समर्थन में पूर्व विधायक नारायण पाल धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं विधायक रह चुके हैं और उन्हें एक लाख रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती है, जबकि आंगनबाड़ी पशुगणना से जनगणना तक 27 विभागों का कार्य संभालने के बावजूद मात्र 9300 रुपये प्रतिमाह मानदेय पा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानवीय शोषण है। हर माह 100 रुपये कटौती के बाद रिटायरमेंट पर मात्र 35 हजार रुपये फंड के रूप में मिलते हैं, जिससे जीवन यापन संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा मानदेय बढ़ाने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक उस पर अमल नहीं हुआ।पूर्व विधायक ने आश्वासन दिया कि मानदेय वृद्धि समेत 12 सूत्रीय मांगों को लेकर वह आंदोलन में उनके साथ खड़े हैं। जिलाध्यक्ष चन्द्रावती के नेतृत्व में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चार अप्रैल से 12 सूत्रीय मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर धरना दे रही हैं। उनका कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा।पूर्व विधायक का जन्मदिन मनायासितारगंज। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक नारायण पाल का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर नारायण पाल, उनकी पत्नी कामिनी पाल और पुत्र निर्भय पाल व अभय पाल ने समर्थकों के साथ गोशाला में मवेशियों को हरा चारा खिलाया।

दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण पर जताई खुशी

श्रीनगर गढ़वाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण किए जाने पर अधिवक्ताओं ने खुशी जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता अर्जुन सिंह भंडारी, डॉ. शकर काला तथा बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप श्री पांथरी ने कहा कि यह कॉरिडोर केवल एक सड़क परियोजना नहीं बल्कि नए भारत की प्रगतिशील सोच और तीव्र गति से आगे बढ़ते विकास का प्रतीक है। आभार व्यक्त करने वालों में बार एसोसिएशनके के पूर्व अध्यक्ष दीपक भंडारी, अध्यक्ष परमेश चंद्र जोशी, सचिव ब्रह्मानंद भट्ट, पूर्व सचिव विकास पंत, प्रदीप मैठाणी आदि मौजूद रहे।

मेधावियों ने लहराया परचम, केवि अगस्त्यमुनि के छात्रों का रहा दबदबा

रुद्रप्रयाग। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का परिणाम बुधवार शाम को जारी कर दिया गया। बोर्ड परीक्षा में जनपद के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और केवि अगस्त्यमुनि के बच्चों का दबदबा रहा। कई विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। रुद्रप्रयाग के अटल उत्कृष्ट स्वामी सच्चिदानंद इंटर कॉलेज की संस्कृति ने 90.6% अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया जबकि रुद्रेश ने 89% अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य नरेश जमलोकी ने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। गुप्तकाशी में डॉ. जैक्सविन नेशनल स्कूल गुप्तकाशी का परीक्षा परिणाम 100% रहा। कक्षा 10वीं के सभी 18 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। आयुष्मान भट्ट ने 93.2% अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया जबकि कार्तिकेय ने 91% अंक प्राप्त किए। अगस्त्यमुनि केंद्रीय विद्यालय में भी छात्रों का शत–प्रतिशत परिणाम रहा। अंशुल गोस्वामी ने 94.8%, ईशांत त्रिवेदी ने 94.4%, दिव्यांशु बिष्ट ने 91.4% और मान्या भट्ट ने 90.6% अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्या अदिति नेगी ने सभी छात्रों को बधाई दी।

शत प्रतिशत रहा केवि गौचर का परीक्षा परिणाम

गौचर। केंद्रीय विद्यालय गौचर का सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा फल सत प्रतिशत रहा। विद्यालय के 38 छात्र–छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में भाग लिया और सभी छात्र उत्तीर्ण हुए। प्रधानाचार्य संदीप त्यागी ने बताया कि छह मेधावी छात्र–छात्राओं ने नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं जिसमें अदिति बिष्ट ने 96, वरुण सिंह ने 93.6, अनुराग झिंक्वाण ने 93.4, दिव्या माहुर ने 92.6, रिषभ नेगी ने 91.2 तथा क्रिस्टी गुसाईं ने 90.6 प्रतिशत अंक अर्जित किए।

एक नजर

बैसाखी पर 12 साल बाद मोरी मेला यात्रा देवप्रयाग संगम पहुंची

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीःगगवाडस्यूं घाटी के तमलाग गांव से शुरू हुई 12 वर्षों बाद आयोजित ऐतिहासिक मोरी मेले की बिखोत स्नान यात्रा बैसाखी पर्व पर संगम पहुंची। यहां अलकनंदा और भागीरथी के संगम पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।सोमवार को तमलाग गांव में भव्य मंडाण के बाद पांडवों की अगुवाई में यात्रा कुंजेठा, हस्युड़ी, पोखरी, गढ़खेत, पंवाई और श्रीखाल होते हुए सबदरखाल कुंडी पहुंची ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यात्रा मोरी मेला समिति के अध्यक्ष सुबोध नैथानी और सचिव अनूप सजवाण की देखरेख में संपन्न हुई। देवप्रयाग पहुंचकर पांडवों ने संगम स्नान के बाद रघुनाथ मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की। श्रद्धालु काली कमली धर्मशाला में ठहरे जहां रातभर ढोल–दमाऊं की थाप पर पांडव मंडाण का आयोजन हुआ। समिति के मीडिया प्रभारी प्रदीप रावत ने बताया कि 12 वर्ष बाद आयोजित यह परंपरा क्षेत्र की आस्था का प्रतीक है। मंगलवार को सभी धार्मिक अनुष्ठानों के बाद यात्रा तमलाग गांव लौट गई।वहीं बैसाखी पर संगम स्थल और रामकुंड में सुबह से भारी भीड़ रही। दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, यूपी और पौड़ी के सलाण क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने डौंर–थाली के साथ जल छाया और डोली पूजा कर स्नान के बाद मंदिर में दर्शन किए। पुजारी संतोष भट्ट के अनुसार, देवप्रयाग में जल छाया पूजन से सभी बाधाएं दूर होती हैं।

सिलिंडर दिया नहीं, एजेंसी कर्मी बोले डिलीवरी कर दी गई

चमोली। रसोई गैस संकट के बीच एजेंसी की ओर से कई उपभोक्ताओं को सिलिंडर दिए बिना ही डिलीवरी होने की बात कही जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग, डीएससी कोड होने के बावजूद सिलिंडर नहीं मिल रहा है। लोगों ने मामले की जांच की मांग की। पूर्णा गांव के प्रदीप मिश्रा ने बताया कि उनके पास भारत गैस एजेंसी का कनेक्शन है। ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद उनके मोबाइल पर डीएसी नंबर आया। 12 अप्रैल को एजेंसी का वाहन देवाल पहुंचा वे मौके पर पहुंचे लेकिन उन्हें सिलिंडर नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि मौके पर गैस एजेंसी कर्मी ने कहा कि इस नंबर पर गैस सिलिंडर की डिलीवरी कर दी गई है जबकि उन्होंने 2026 में सिलिंडर नहीं लिया। उन्होंने पूर्ति निरीक्षक से इसकी जांच कर गैस एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने और सिलिंडर की आपूर्ति की मांग की। वहीं इस बारे में भारत गैस सर्विस नारायणबगड़ के प्रबंधक संजय व कार्यालय में कार्यरत कर्मी धन सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं पूर्ति निरीक्षक मनोहर फर्स्वाण ने बताया कि इस संबंध में भारत गैस सर्विस से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डीजल की भट्टी पर सीमित मात्रा में बनेगा खाना

चमोली। चारधाम यात्रा के लिए जीएमवीएन भी तैयारियों में जुटा हुआ है। मगर सिलिंडरों की कमी के कारण सभी विश्राम गृहों में डीजल की भट्टी का प्रयोग किया जाएगा जिसके लिए निगम ने सभी 11 यात्रा पड़ावों से जुड़े जीएमवीएन के लिए भट्टी मंगा दी है। साथ ही सिलिंडर की कमी के कारण खाना भी सीमित ही बनाया जाएगा। यदि सिलिंडर की ऐसे ही कमी बनी रहती है तो लोग अपने मनपसंद का खाना आर्डर नहीं कर पाएंगे। बदरीनाथ की यात्रा को महज एक सप्ताह का समय बचा हुआ है। ऐसे में जीएमवीएन (गढ़वाल विकास निगम लि.) भी तैयारियों में जुटा हुआ है। जनपद के प्रवेश द्वार गौचर से बदरीनाथ तक सभी 11 जीएमवीएन में रंगरोगन, स्टाफ की नियुक्ति, पार्किंग, साफ सफाई आदि की व्यवस्था हो चुकी है। वहीं खाना बनाने के लिए सभी जगह एक–एक डीजल की भट्टी भी मंगा दी गई है। जीएमवीएन के क्षेत्रीय प्रबंधक विश्वनाथ बेंजवाल का कहना है कि जनपद में 22 जीएमवीएन गेस्ट हाउस हैं जिसमें से 11 यात्रा मार्ग से जुड़े हैं। इन सभी में पूरी तैयारी की गई है। साथ ही सिलिंडर की कमी को दूर करने के लिए डीजल भट्टी भी मंगा दी गई है। लोगों को पहाड़ी व्यंजन भी परोसने का प्रयास किया जाएगा।

टिहरी झील में सी–प्लेन का दूसरा ट्रायल भी रहा सफल

नई टिहरी। टिहरी बांध की झील में सी–प्लेन उतारने का दूसरा ट्रायल भी सफल रहा। बुधवार को दूसरे दिन देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट से टेक आफ हुआ सी–प्लेन दोपहर करीब 2.45 बजे कोटीकॉलोनी टिहरी झील में सफलता पूर्वक लैंड कराया गया। अब आज बृहस्पतिवार को सी–प्लेन का अंतिम ट्रायल किया जाएगा। स्काई हाफ प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जौलीग्रांट एयरपोर्ट से टेक आफ हुआ 19 सीटर सी–प्लेन दूसरे दिन भी कोटीकालोनी टिहरी झील में लैंड हुआ। सुबह से ही इसके लिए तैयारियां जारी थीं। कंपनी की ओर से टिहरी झील में दो बार लैंडिंग और टेक आफ किया गया। दूसरे दिन भी सी–प्लेन के टिहरी झील में उतरने की सूचना के चलते लोग पहले से ही बड़ी संख्या में यहां मौजूद रहे और उन्होंने ताली बजाकर सी–प्लेन का स्वागत किया। इस दौरान कई लोग अपने मोबाइल फोन के कैमरा में सी–प्लेन लैंडिंग की वीडियो भी शूट करते नजर आए। बीते दिन पहली बार टिहरी झील में सी–प्लेन का ट्रायल किया गया।

कोटद्वार केंद्रीय विद्यालय में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने ली प्रबंधन समिति की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जिलाधिकारी स्वाति एस.भदौरिया ने कोटद्वार किशनपुरी स्थित केंद्रीय विद्यालय का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। कहा कि विद्यालय में रिक्त शिक्षकों के पदों पर जल्द ही भर्ती की जाएगी। साथ ही बच्चों के लिए खेल का मैदान भी तैयार किया जाएगा। बच्चों को बेहतर सुविधा मिलें इस्–का विशेष ध्यान रखा जाएं।

बुधवार को जिलाधिकारी ने कोटद्वार पहुंचकर केंद्रीय विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कहा कि वर्तमान में विद्यालय के बेहतर विकास को लेकर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। कहा कि विद्यालय में बच्चों के खेलने के लिए प्ले एरिया विकसित किया जाएगा। बच्चे पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़े इसके लिए समय-समय पर कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है व इसके लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, संसाधनों की उपलब्धता, व्यवस्थाओं की स्थिति व भावी आवश्यकताओं की समीक्षा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक में राजकीय इंटर कॉलेज कण्वघाटी के प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने मध्याह्न भोजन योजना के अंतर्गत टीन शेड निर्माण की मांग रखी। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग दुगड्डा को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में प्राप्त सुझावों पर जिलाधिकारी ने आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर विभिन्न विभागीय अधिकारियों से उन्हें गोद लेकर शिक्षा में सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। कहा कि कोई भी बच्चा संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार एवं आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सभी विभागों के प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्या मनीषा मखीजा, नगर आयुक्त पीएल शाह, उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, लोनिवि दुगड्डा के अधिशासी अभियंता निर्भय सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

कोटद्वार के केंद्रीय विद्यालय में बच्चों से वार्ता करती जिलाधिकारी स्वाति एस.भदौरिया

यात्रा के दौरान तैनात रहे पर्याप्त होमगार्ड व पीआरडी के जवान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः चारधाम यात्रा के दौरान श्रीनगर पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष तैयारियां की जा रही हैं। कीर्तिनगर पुल से लेकर कलियासौड़ सिरोबगड़ तक पुलिस व प्रशासन की ओर से यात्रियों को किसी तरह की दिक्कतें न हों इसके लिए व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। इस दौरान ट्रैफिक अनियंत्रित न हो इसके लिए होमगार्ड, पीआरडी व पुलिस के अतिरिक्त जवान यात्रा मार्ग पर तैनात रहेंगे। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि फरासू, पौड़ी चुंगी व कलियासौड़ के समीप गोवा बीच में पुलिस की अस्थायी चौकियां बनाई जाएंगी। साथ ही एनआईटी मैदान के पास कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा बढ़ने या राजमार्ग पर जाम, अवरुद्ध होने की स्थिति में डुंगरीपंथ व देवलगढ़ मोटर मार्ग से यात्रा का डायवर्जन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रशासन की ओर से लोक निर्माण विभाग से व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के लिए कहा गया है। साथ ही यात्रा मार्ग पर पानी की व्यवस्था के लिए जल संस्थान से समन्वय स्थापित किया गया है। यात्रा वाहनों की भीड़ अधिक होने पर आवास विकास मैदान व एनआईटी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

शोभायात्रा निकालकर समाज को दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती समानता दिवस के रूप में मनाई गई। श्रीनगर में भीम आर्मी भारत एकता मिशन की ओर से उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद नगर में शोभायात्रा के माध्यम से सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता का संदेश दिया गया। मौके पर आयोजित सभा में उनके विचारों को आत्मसात करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आलोक सागर गौतम, कार्यक्रम अध्यक्ष रमेश प्रकाश शाह, मिशन के जिलाध्यक्ष सुरेश मुयाल, गोपाल सक्सेना, पीके रूदियाल, जयप्रकाश, इंद्र सिंह, रमेश भदोडिया आदि मौजूद रहे। वहीं कीर्तिनगर और देवप्रयाग में भी बाबा साहेब कीजयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। यहां भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कीर्तिनगर आंबेडकर पार्क में एकत्रित होकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं राजकीय पॉलीटेक्निक श्रीनगर में आंबेडकर चेतना समिति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मौके पर कीर्तिनगर में डॉ. प्रताप भंडारी, उत्तम सिंह असवाल, गम्मा सिंह, मोहनानंद डोभाल, सुनील कुमार, कविता देवी, नरेंद्र कुंवर, आशुतोष रावत, रावत, पूर्व सभासद जगतंबा कुमाई, मनोज जोशी व प्रियंका तथा श्रीनगर में मंगत मटियाल आदि मौजूद रहे।

युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

– बीजीयू में भाषण प्रतियोगिता आयोजित –नशामुक्त युवा, समृद्ध राष्ट्र की पहचान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः झंडीचौड़ स्थित भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय बीजीयू में युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए टूरिस्ट संदेश फाउंडेशन एवं भगवत ग्लोबल विश्वविद्यालय एंटीड्रग्स सेल के संयुक्त तत्वावधान में कण्वनगरी संस्कारशाला के तहत भाषण प्रतियोगिता एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय समृद्ध राष्ट्र के लिए संस्कारयुक्त नशामुक्त युवा रहा। इस अवसर पर अध्यनरत छात्र- छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता में बढ़ चढकर भाग लिया तथा नशामुक्ती के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 डॉ0 के.एस.राणा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नागेन्द्र उनियाल, प्रकाश कोठारी, सुंदर लाल आर्य, राजेन्द्र पंत, अरविन्द दुदपुड़ी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर दैनिक जयन्त संपादक नागेन्द्र उनियाल ने कहा कि युवा अवस्था जीवन की स्वर्णीम अवस्था होती है, जिसमें युवाओं को स्वयं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती हे। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। यदि कोई साथी नशे की ओर बढ रहा हो तो उसके साथ रहकर उसका मनोबल बढाना चाहिए उसे सही दिशा में बढने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रकाश कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा से पहले संस्कार होना अति आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को अपने लक्ष्य से भटकने से बचने तथा जीवन अनुशासन बनाये रखने की सलाह दी। इस मौके पर सुदंर लाल आर्य ने कहा कि आज के युवाओं को ज्ञान की ओर अग्रसर होना चाहिए। महापुरूषों की जीवनी और अच्छी पुस्तकों को पढ़ाकर ज्ञान बढाना चाहिए।साथ ही इस अवसर पर राजेन्द्र पंत ने कहा युवाओं को अपने कार्य एक निश्चित समय सारणी के अनुसार करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बीजीयू के कुलपति डॉ0 के0एस0राणा ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में कु0सारा ने प्रथम, नंदनी राणा ने द्वितीय व पलक कुकरेती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालक ज्योति नेगी ने किया। कार्यक्रम में हर्षित शर्मा कृषि विभागाध्यक्ष, कमल जोशी, शशि रावत, सुमन मैंदोला, डॉ0 सुरेन्द्र लाल आर्य, डॉ0 सुंदर लाल जोशी,डॉ0 गुरूजंत सिंह सहित बीजीयू के समस्त छात्र-छात्रायें उपस्थित थे। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक सुभाष चंद्र नौटियाल ने उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया तथा अंत में अरविन्द दुदपुडी ने सभी लोगों को आभार व्यक्त किया।

भारत विकास परिषद के श्याम सुंदर अग्रवाल बने अध्यक्ष

भारत विकास परिषद के नवनियुक्त पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारत विकास परिषद की पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। इस दौरान श्याम सुंदर अग्रवाल को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

आयोजित कार्यक्रम में संगठन के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कहा कि संगठन लगातार समाज सेवा में अपना योगदान दे रहा है। इस दौरान नई कार्यकारणी में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी श्याम सुंदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल बंसल, सचिव प्रदीप अग्रवाल,वित्त सचिव संदीप अग्रवाल ,संरक्षक राजेंद्र जखमोला, संगठन सचिव द्वारिका प्रसाद अग्रवाल,संयोजक संपर्क रीता जखमोला ,संयोजक सेवा पूनम नैथानी,संयोजक संस्कार निधि गुप्ता ,संयोजक पर्यावरण शीला कुकरेती ,संयोजक महिला सहभागिता श्रीमती बीना मित्तल बनाए गए। मीनाक्षी शर्मा को प्रान्तीय संयोजक पर्यावरण बनाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष जल वितरण,गोवंश को चारा वितरण, भारत को जानो प्रतियोगिता, समूहगान प्रतियोगिता, स्वास्थ्य जांच शिविर, सामूहिक सरल कन्या विवाह ,गुरूवन्दन छात्र अभिनंदन, वृक्षारोपण, स्थापना दिवस ,महापुरूषो की जयन्ती ,रक्तदान शिविर इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जायेगे। जानकारी प्रवक्ता गोपाल बंसल ने दी।

ग्रोथ सेंटर के कर्मचारियों को सिखाया आग पर काबू पाने के तरीके

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अग्निशमन सप्ताह के तहत अग्निशमन विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत बुधवार को टीम ने ग्रोथ सेंटर सिगड्डी में मॉक ड्रिल कर कर्मचारियों को आग पर काबू पाने के तरीके बताए।

बुधवार को अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी महताब अली ने कहा कि गर्मी के मौसम में आग जैसी घटनाएं बढ़ने लगती है। ऐसे में हमें आग से बचाव के प्रति जागरूक होना चाहिए। प्रत्येक प्रतिष्ठान में कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों की जानकारी होनी आवश्यक है। जिससे वह आग की घटना पर काबू पा सकें। कार्यशाला के दौरान माकड्रिल के माध्यम से आग पर काबू पाने के तरीके बताए गए। कहा कि यह जानकारी हमें अपने साथ कार्य करने वाले अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचानी चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग की भी जानकारी दी।

आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते अग्निशमन कर्मी व अधिकारी

दो दिवसीय इडोर गेम्स प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीयस्नातकोत्तर महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दो दिवसीय इडोर गेम्स प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने किया प्रतियोगिताओं में महिला और पुरुष बर्ग में कैरम बैडमिंटन टेबल टेनिस शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में क्रीड़ा प्रभारी डॉ हीरा सिंह, डॉ जूनिश कुमार, डॉ संदीप कुमार, डॉ चंद्रप्रभा भारती, डॉ श्रदा सिंह डॉ मिनाक्षी, बर्मा डॉ दया किशन जोशी, डॉ संदीप किमोठी, डॉ मुकेश सिंह रावत, डॉ अरुणा चौथरी, डॉ पवन भट्ट, डॉ अजय रावत, अरविन्द दुदपुड़ी सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

गोसेवकों ने गिरफ्तारी की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पदमपुर क्षेत्र में गोवंश के साथ अमानवीय कार्य करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं होने पर गोसेवकों ने रोष व्यक्त किया है। गोसेवक बबलू नेगी, मंगत सिंह नेगी, इंद्रजीत सिंह रावत, प्रकाश ढौंडियाल ने बताया कि कुछ दिन पूर्व उन्हें पदमपुर क्षेत्र में गोवंश से अमानवीय कार्य किए जाने की सूचना मिली। वे मौके पर पहुंचे। लेकिन, तब तक अमानवीय कृत्य करने वाला व्यक्ति फरार हो चुका था। बताया कि व्यक्ति क्षेत्र में टेलर का कार्य करता है। बताया कि उनकी ओर से मामले में पुलिस में मुकदमा भी दर्ज किया गया। लेकिन, पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान के तत्त्वधान में विभागीय परिषदीय प्रतियोगिताओं भाषण निबंध पोस्टर तथा काव्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ राजनीति विज्ञान के विभागध्यक्ष डॉ अजीत सिंह डॉ ऐश्वर्या राणा डॉ कविता बिष्ट डॉ संत कुमार डॉ बिशन लाल शाह द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने छात्र–छात्राओं को सामाजिक बदलाव और समानता के प्रतीक डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों से अवगत कराया विभाग प्रभारी डॉअजीत सिंह ने बाबा साहब के राजनितिक दर्शन तथा सामाजिक सिद्धांतों पर प्रकाश डाला डॉ ऐश्वर्या राणा ने बाबा साहेब के महिला सशक्तिकरण सामाजिक न्याय के बिंदुओं पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में डॉ संत कुमार ने कहा कि भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन देश के गरीबों और वंचितों के लिए समर्पित रहा डॉ कविता बिष्ट ने संविधान की प्रस्तावना पर अपने विचार रखें डॉ वर्षा सिंह ने सामाजिक परिवर्तन पर बाबा साहेब के योगदान को याद किया डॉ बिशन लाल शाह ने कहा कि यदि बाबा साहब दुनिया में नहीं आते तो सामाजिक न्याय दम तोड़ देता भाषण प्रतियोगिता में जगदीश ने प्रथम स्थान जिया परवीन ने द्वितीय स्थान दिव्या नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया पोस्टर प्रतियोगिता में शीतल पोखरियाल ने प्रथम स्थान निहारिका ने द्वितीय स्थान तथा संतोष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में शिवम रावत प्रथम स्थान अश्वनी ममगाई द्वितीय स्थान अनुराग रावत तृतीय स्थान तथा काव्य वाचन में जगदीश प्रथम स्थान शीतल पोखरियाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किय। कार्यक्रम के निर्णयक मंडल में डॉ वर्षा सिंह डॉ जगदीश चंद्र भट्ट डॉ सुरेखा घिल्डियाल थे । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ बिशन लाल शाह ने किया। कार्यक्रम में डॉ अजीत सिंह डॉ ऐश्वर्या राणा डॉ कविता बिष्ट, डॉ वर्षा सिंह, डॉ सुरेखा घिल्डियाल ,डॉ जगदीश चंद्र भट्ट, अरविन्द दुदपुड़ी ,छात्रसंघ अध्यक्ष विकास कुमार, अनिकेत सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री आश्वी नेगी (AASHVI NEGI) के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम भूलवश तृष्णा नेगी अंकित हो गया है जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम आश्वी नेगी (AASHVI NEGI) है अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम आश्वी नेगी (AASHVI NEGI) अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाए ।

संदीप सिंह नेगी पुत्र श्री मातबर सिंह R/O तेलीपारा नगीना बिजनौर उत्तर प्रदेश

(0496/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरा सही व वास्तविक नाम महेश चन्द्र वर्मा (MAHESH CHANDRA VERMA) है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड में भी दर्ज है। जबकि मेरे पासपोर्ट सं०– L 853004 में मेरा नाम महेश वर्मा (MAHESH VARMA) दर्ज है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा सही व वास्तविक नाम महेश चन्द्र वर्मा (MAHESH CHANDRA VERMA) दर्ज किया जाए।

महेश चन्द्र वर्मा पुत्र स्व० रघुनाथ सिंह वर्मा निवासी गंगादत्त जोशी मार्ग तहसील– कोटद्वार, जिला– पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

(0497/21)

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	08-DRM-MB-26-27 dt. 15.04.2026
Name of Work	New Construction of 30 beds RPF Female Barrack, with 01 room Subordinator officer including change room, mess store, GYM, Dining and Recreation room RPF Post Moradabad.
Tender Closing Date Times	11.05.2026
Advertised Value (Rs.)	2,72,94,823.94
Earnest Money (Rs.)	5,45,900.00
Tender Cost (Rs.)	0.00
Bidding Start Date	27.04.2026
Period of Completion	06 Months

पत्रांकः 75-W/2/3/WA/Publication दिनांकः 15.04.2026 1250/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 05.05.2026 को 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 05.05.2026 को 11.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
01/2026–27	रू0 590/–	वि०वि० उपखण्ड– स्यूँसी के अधीन धुमाकोट अनुभाग से पोषित खाल्यूडांडा एवं शंकरपुर फीडर के अन्तर्गत जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने एवं लम्बे स्पानों के मध्य अतिरिक्त विद्युत पोल लगाये जाने का कार्य।	30000.00
02/2026–27	रू0 1180/–	वि०वि० उपखण्ड– रिखणीखाल के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों में जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने एवं एल०टी० क्लैम्प लगाये जाने का कार्य।	43000.00
03/2026–27	रू0 590/–	वि०वि० उपखण्ड– थलीसैंण के अधीन चाकीसैंण अनुभाग के अन्तर्गत जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने का कार्य।	30000.00
04/2026–27	रू0 1180/–	वि०वि० उपखण्ड थलीसैंण के अन्तर्गत जीर्ण–शीर्ण विद्युत पोलों को बदलने का कार्य।	32000.00

पत्रांक : 42/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 15.04.2026

अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

जिंदगी पर भारी रील

सड़कों पर दुर्घटना के मंजर एक आम बात है लेकिन इन दुर्घटनाओं के पीछे ऐसे कई कारण है जिस वजह से कई लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। दुर्घटनाओं का एक नया ट्रेंड सड़कों पर रेल और वीडियो बनाने से जुड़कर सामने आ रहा है जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है। अभी एक ताजा मामला गाजियाबाद से सामने आया है जिसमें 19 वर्ष की लड़की मोटरबाइक पर रेल बनाने के प्रयास में अपनी जान से हाथ धो बैठी। समझना चाहिए की सड़के आवा गमन की सुविधा के लिए है ना की अपनी मौज मस्ती और सोशल मीडिया पर सखी बघारने का कोई स्थान। हमारे देश में सड़कों की बुरी व्यवस्था एवं वाहन चलाने के नियम कानून को गंभीरता से पालन न करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है लेकिन अब जो एक नया चलन सड़कों पर मौज मस्ती का दिखने लगा है वह एक चिंता की बात है। आंकड़े बताते हैं कि हमारे देश में हर एक घंटे में 20 लोग सड़क दुर्घटना में मारे जाते हैं जबकि 55 दुर्घटना एन पूरे देश भर में विभिन्न स्थानों पर घटित होती है। वर्ष 2024 में भारत में लगभग 177000 लोग विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए। यह बेहद चिंताजनक आंकड़े हैं और इनमें तेज रफ्तार व शराब पीकर वाहन चलाना जैसे कई कारण प्रमुखता से सामने आए हैं। भारत में सड़क परिवहन के क्षेत्र में एक जबरदस्त क्रांति देखने को मिली है और पूरे देश को विभिन्न परियोजनाओं के साथ सुविधाजनक कई लेने वाली सड़कों के साथ जोड़ा गया है। सड़कों की दशा सुधारने के साथ–साथ वाहनों की रफ्तार भी तेज हुई है और यही रफ्तार अधिकांश दुर्घटनाओं का कारण बनी है। वाहनों की रफ्तार पर लगाम करने के लिए यूं तो मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियम कानून बनाए गए हैं लेकिन इन नियम कानून का कोई असर दुर्घटनाओं को रोकने में प्रभावशाली नजर नहीं आया है। अब राज्य सरकारों के लिए एक नई मुसीबत सोशल मीडिया पर रेल और वीडियो डालने से जुड़कर सामने आने लगी है जिसमें वाहनों से करतब दिखाना और रफ्तार की जंग एक मुसीबत बनती जा रही है। सड़कों पर स्टंट सोशल मीडिया पर प्रमुखता से छा रहा है और कई ऐसे वीडियो हमारे सामने है जिम स्टंट करते हुए वाहन चालक चोटिल हुए हैं या फिर अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठे। राज्य सरकारों को सड़कों पर इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष दस्ते तैयार करने चाहिए तो साथ ही आम नागरिकों का भी यह कर्तव्य है कि वह सड़कों पर ऐसी हरकतें करते देख लोगों की शिकायत तत्काल पुलिस को करें ताकि ऐसे लोगों के कारण किसी की जिंदगी के साथ खिलवाड़ न होने पाए। दुर्घटना पर पूर्ण रोकथाम लगा ना संभव है लेकिन सावधानी एवं नियम कानून के तहत चलकर इनकी संख्या में भारी कमी जरूर लाई जा सकती है।

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे।

उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया।

पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया.

जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया. मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.

अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं.

नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.

इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.

मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाव 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगत दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चि करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना अं बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेत से गुजारा संभव नहीं है.

आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेत देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़े क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्र स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने व कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने व जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदू की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहि लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जि तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा र है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है राजस्थान में भी न्यूनतम वेतन अपेक्षाकृत कम है लेकि वहां भिवाड़ी के अलावा किसी स्थान पर कोई घटना न हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरक ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमे का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-सा औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है गठित समिति की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त व सौंपी गई है खास बात यह है कि समिति में श्रमि संगठनों के पांच प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के त प्रतिनिधियों को शामिल कर सभी पक्षों की भागीदा सुनिश्चित की गई है।सरकार की प्राथमिकता मजदूरों असंतोष को दबाने कम करने और विपक्ष राजनीति लाभ के लिए उकसाने मे नाकाम करने की है इसके लि सरकार मजदूरों के हित मे हर कदम उठाने को तैयार है

हाथियों की विरासत: जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्त्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्त्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस

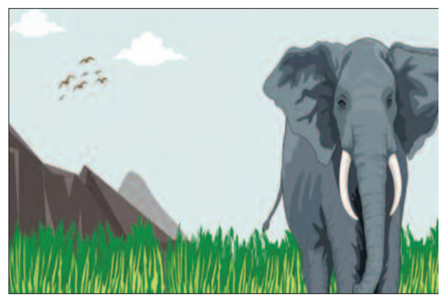

गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 10 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोव पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रे नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथि की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घट उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागम रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपा और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुअ इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथि के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्प रूप से दशार्ती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडे की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्थ तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अल सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्य आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बी संतुलन स्थापित किया जा सके और हमा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

नारी-आरक्षण: नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतधार्रा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण

को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा ने अमेरिका को ललकारा, दे डाली धमकी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा में सैन्य हमले की हाल ही में दी धमकी पर क्यूबाई राष्ट्रपति ने जबरदस्त ऐतराज जताते हुए अमेरिका को ललकारा है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने देश में आए ईंधन संकट के बाद पहली बार हुंकार भरी। कहा, अमेरिका के पास सैन्य हमला करने या उन्हें सत्ता से हटाने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, क्यूबा पर किसी भी तरह का आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में डियाज-कैनेल ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी अप्रिय कदम उठाया तो क्यूबा के लोग अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा समय आने पर मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी 'सर्जिकल ऑपरेशन' अथवा राष्ट्रपति के अपहरण का कोई औचित्य होगा। डियाज-कैनेल ने कहा, यदि ऐसा हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा और हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम मरेंगे भी।

प्रशांत महासागर में नशा तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमले, 5 मरे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना के मुताबिक, उसने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमला कर उन्हें तबाह कर पांच लोगों को मार गिराया। इनमें से एक व्यक्ति बच गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहा है और साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी की तैयारी कर रहा है। शनिवार को हुए हमलों के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा सितंबर की शुरुआत में 'नार्को आतंकवादी' कहे जाने वाले लोगों को निशाना बनाना शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा नावों पर किये गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 168 हो गई है।

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में हजारा शिया समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शिया मुस्लिम हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में हुई इस घटना को लेकर सोमवार को क्षेत्र के शिया समुदाय ने तीखा विरोध दर्ज कराया और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सशक्त नीति बनाने की मांग की। क्वेटा में अज्ञात बंदूकधारी लोग दो मोटरसाइकल पर व्यापार के लिए सब्जियां खरीदने हजारगंज बाजार पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खैर सुमलानी के मुताबिक, ये बाइक सवार हजारा टाउन से आए थे। गोलीबारी में हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने इसे सुनियोजित हत्या बताया। उधर, बलूचिस्तान के हजारा समुदाय के नेता अब्दुल खालिक हजारा ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सरकार ने क्षेत्रीय हालात सुधारने के लिए कदम उठाने की मांग की है। समुदाय के लोगों ने सोमवार को हजारगंज बाजार की पुलिस चौकी भी घेरी और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। फिलहाल घटना की किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी रही।

अमेरिका : नेवादा में आया भूकंप, 5.7 रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि नेवादा के सिल्वर स्प्रिंग्स के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का झटका 9 किलोमीटर (5.59 मील) की गहराई पर आया था। एक अलग घटना में, अमेरिका के कैलिफोर्निया क्षेत्र में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता पहले 5.1 बताई गई थी, लेकिन बाद में यूएसजीएस द्वारा इसे संशोधित करके 4.9 कर दिया गया। सैन जोस और कैलिफोर्निया के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप कैलिफोर्निया के बोल्डर क्रीक से एक किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में आया। अमेरिकी सरकारी विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप लगभग 8:41:25 यूटीसी (कैलिफोर्निया में लगभग 1:41 बजे) पर 10.9 किलोमीटर की गहराई पर आया।

इस्लामाबाद असफल तो अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक, दावा- तैयारी में जुटे अमेरिका-ईरान

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान जल्द ही दूसरे दौर की कूटनीतिक वार्ता शुरू कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच पिछले छह हफ्तों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दो अमेरिकी अधिकारियों और घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य व्यक्ति के अनुसार, दोनों देश अगले सप्ताह मौजूदा युद्धविराम के समाप्त होने से पहले एक समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे आमने-सामने बैठकर नई बातचीत करने पर विचार कर रहे हैं।

एसोसिएटेड प्रेस के सूत्रों के अनुसार, वार्ता के नए दौर को लेकर अभी चर्चा चल ही रही है। वहीं मध्यस्थता करने वाले देशों में से एक के राजनयिक ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन बातचीत के लिए पूरी तरह सहमत हो गए हैं। इन सभी चारों सूत्रों ने कूटनीतिक संवेदनशीलता के कारण नाम न छापने की शर्त पर एपी को यह जानकारी दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार की वार्ता में भी पिछली बार के स्तर के ही उच्च अधिकारी या प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे या नहीं।

कहां और कब हो सकती है वार्ता : राजनयिक और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वार्ता की मेजबानी के लिए एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नाम पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा

अमेरिकी अधिकारियों ने जिनेवा (स्विट्जरलैंड) को भी एक संभावित विकल्प बताया है। हालांकि, अभी तक स्थान और समय को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि यह वार्ता गुरुवार को हो सकती है।

ट्रंप का बयान और वाइट हाउस की प्रतिक्रिया : सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में इस ओर इशारा करते हुए कहा था कि 'दूसरे पक्ष ने हमसे संपर्क किया है। वे एक समझौता करना चाहते हैं।' दूसरी ओर, इस पूरे मामले और संभावित नई वार्ता पर टिप्पणी के लिए जब वाइट हाउस से संपर्क किया गया, तो उनकी तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया या जवाब नहीं मिला।

अमेरिका-ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता जल्द संभव: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले दौर की बातचीत जल्द ही होने की उम्मीद है। शनिवार को दोनों देशों के बीच 21 घंटे तक चली बातचीत 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, वीकेंड पर पाकिस्तान में हुई इस लंबी बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष युद्ध को खत्म करने के लिए किसी स्थायी शांति समझौते तक पहुंचने में विफल रहे।

सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे प्रयास : सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वार्ता के बाद एक तरह के 'संतोष की भावना' है, क्योंकि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम सामने नहीं आया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इस क्षेत्र के भविष्य को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि अंतिम फैसले अल्लाह के हाथ में हैं।

अमेरिका का रुख: वार्ता क्यों विफल रही : इस्लामाबाद में हुई इस वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया था। वेंस ने कहा कि ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्त करने की वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, जबकि अमेरिका ने अपनी तरफ से अंतिम और सबसे बेहतरीन पेशकश सामने रखी थी। वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के साथ बातचीत इसलिए विफल रही क्योंकि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

युद्ध का बैकग्राउंड और पाकिस्तान की भूमिका : दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने में पाकिस्तान ने कूटनीतिक पहल का नेतृत्व किया है। यह इस सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उस अपील के बाद संभव हो सका, जिसके चलते युद्ध में अस्थायी विराम लगा था। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप पड़ गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगर उन्हें लगेगा कि ईरान उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है।

वियतनाम ने डेंगू बुखार के बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में डेंगू संक्रमण का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अब तक देश में 30 अधिक से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि चार मौतें हो चुकी हैं। इसी बीच, वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि डेंगू संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। स्थानीय दैनिक अखबार 'न्हान डैन' ने मंगलवार को बताया कि इस साल की शुरुआत से अब तक देश में 31,927 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें चार मौतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश मामले दक्षिणी इलाकों में केंद्रित हैं। वहीं, समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम रोग निवारण प्रशासन के उप निदेशक वो हाई सोन ने कहा कि अगर रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो निकट भविष्य में संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग संक्रमण के प्रकोप की मॉनिटरिंग और उसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, साथ ही रोग की रोकथाम के बारे में जन जागरूकता अभियान भी तेज कर रहा है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब गर्मी और उमस भरा मौसम जल्दी शुरू हो गया है व बारिश अनियमित हो रही है, जिससे मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल स्थितियां बन गई हैं। पिछले साल वियतनाम में डेंगू बुखार के 181,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 36 लोगों की मौत हुई थी। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलता है। जिन लोगों को डेंगू होता है, उनमें से अधिकांश में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं, उनमें सबसे आम लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, जी मिचलाना और शरीर पर चकत्ते पड़ना है। अधिकांश लोग 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। गंभीर मामलों में, डेंगू जानलेवा भी हो सकता है।

ईरान का विश्वास हासिल करना ही अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से निकलने का रास्ताः बाकेर कालिबाफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह अपना निर्णय ले और ईरानी राष्ट्र का विश्वास हासिल करे। उन्होंने यह टिप्पणी पाकिस्तान की अपनी यात्रा से ईरान लौटते समय पत्रकारों को संबोधित करते हुए की, जहां उन्होंने अपने साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया था। क़ालिबाफ ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी जनता का ऋणी है और उसे इसकी भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर वे लड़ेंगे, तो हम भी लड़ेंगे और अगर वे तर्क के साथ आगे आते हैं, तो हम तर्क से जवाब देंगे। हम किसी भी धमकी के सामने झुकेंगे नहीं। वे हमारी इच्छाशक्ति को एक बार फिर परख सकते हैं और हम उन्हें और बड़ा सबक सिखाएंगे।' क़ालिबाफ ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता को 'बहुत गहन, गंभीर और चुनौतीपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि सक्षम विशेषज्ञों के सहयोग और व्यापक व विविध दृष्टिकोण के साथ, ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने देश की सद्भावना दिखाने के लिए 'बेहतरीन पहल' तैयार कीं, 'जिससे बातचीत में प्रगति हुई। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमने शुरू से ही घोषणा की थी कि हमें अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। हमारे अविश्वास की दीवार 77 साल पुरानी है। यह ऐसे समय में है जब 12 महीनों से भी कम समय में उन्होंने बातचीत के दौरान दो बार हम पर हमला किया। इसलिए, उन्हें ही हमारा विश्वास जीतना होगा। क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ हालिया धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में लंबी बातचीत की। ये वार्ताएं किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकीं। यह बातचीत 40 दिनों की लड़ाई के बाद बुधवार को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद हुई थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंचे

बर्लिन, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन दौरे पर पहुंचे हैं। वे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश सचिव मंगलवार (भारतीय समयानुसार) तड़के बर्लिन पहुंचे, जहां जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने उनका स्वागत किया। जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंच गए हैं। यह यात्रा जनवरी 2026 में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत की सफल यात्रा के बाद हो रही है, और यह भारत व जर्मनी के बीच नियमित संवाद को दर्शाती है।' भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने भी सोशल मीडिया के जरिए

भी विदेश सचिव मिस्त्री का बर्लिन में स्वागत किया। भारतीय राजदूत ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'उनकी यह यात्रा भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण दायरे की समीक्षा करने, द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा को आगे बढ़ाने व क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर प्रदान करती है।' इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा की घोषणा करते हुए बताया था कि विदेश सचिव मिस्त्री, जर्मनी के विदेश कार्यालय के राज्य सचिव गेजा एंड्रियास वॉन गेयर के साथ मिलकर भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चर्चाओं में द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, विकास सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध व आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मामले शामिल हैं।' विदेश सचिव के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। यह यात्रा विदेश सचिव की पेरिस यात्रा के ठीक बाद हो रही है, जहां उन्होंने सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स के साथ मिलकर भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चर्चाओं में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल क्षेत्रों में सहयोग, एआई, नवाचार व मानवीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहलें शामिल थीं। इससे पहले, भारतीय विदेश सचिव ने फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरो से भी मुलाकात की।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति का किया जिक्र

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप दी। डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद! इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की

नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ट्रंप की टैक्स नीति से सिमंस जैसी कामकाजी महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिमंस ने पिछले साल टिप्स से करीब 11,000 डॉलर कमाए, जिससे वह अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

असफल इस्लामाबाद वार्ता पर जेडी वेंस बोले- अमेरिका का रुख साफ, अब गेंद ईरान के पाले में

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है।

वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है।

समझिए बातचीत क्यों रुकी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी। उसके पास निर्णय

लेने की क्षमता नहीं थी। वेंस ने कहा कि ईरानी टीम को कई फैसलों के लिए तेहरान से मंजूरी लेनी पड़ती है, इसलिए तुरंत समझौता नहीं हो पाया और ये वार्ता के असफल रहने का सबसे बड़ा कारण बना।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर वेंस ने भी साफ किया रुख : वेंस ने साफ कहा कि वह पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अमेरिका की रेड लाइन मान लेता है, तो यह दोनों देशों के लिए अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस के अनुसार, अब अगला कदम ईरान को उठाना है क्योंकि अमेरिका ने बातचीत में कई प्रस्ताव पहले ही रख दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा कीमतें लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहेगी और अमेरिका इस पर काम कर रहा है।

पीएम मार्क कार्नी की विशेष चुनावों में बड़ी जीत; लिबरल पार्टी को मिला बहुमत, 2029 तक सत्ता का रास्ता साफ

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने विशेष चुनावों में अहम जीत दर्ज करते हुए संसद में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ अब सरकार को कानून पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत नहीं होगी। संसद की 343 सीटों में से तीन खाली सीटों पर हुए चुनाव में लिबरल उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टोरंटो के यूनिवर्सिटी-रोसडेल सीट से डेनिएल मार्टिन और स्कारबोरो साउथवेस्ट से डॉली बेगम ने जीत हासिल की। क्यूबेक की एक सीट का परिणाम देर रात तक आना बाकी था, लेकिन वहां भी लिबरल पार्टी को बढ़त मिलने की संभावना जताई गई।

लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक रह सकता है : इस जीत के बाद लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक जारी रह सकता है, जिससे सरकार को स्थिरता और अपनी नीतियों को लागू करने के लिए मजबूत आधार मिलेगा।

कार्नी ने ट्रूडो की जगह ली : कार्नी, जिन्होंने 2025 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी, पिछले साल के आम चुनाव में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। उनकी जीत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित एनेक्सेशन (विलय) जैसे बयानों के खिलाफ कनाडाई जनता के गुस्से की बड़ी भूमिका रही।

विपक्षी दलों के नेता लिबरल पार्टी में हुए थे शामिल : हाल के महीनों में विपक्षी दलों के पांच सांसदों, जिनमें चार कंजरवेटिव पार्टी से थे। उनके लिबरल पार्टी में शामिल होने से सरकार पहले ही बहुमत के करीब पहुंच गई थी। इन सांसदों में से एक ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कार्नी के भाषण को अपने फैसले की वजह बताया, जिसमें उन्होंने बड़ी शक्तियों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव की आलोचना की थी।

क्या है विशेषज्ञों की राय : राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका-कनाडा संबंधों में आई गिरावट ने भी कार्नी के पक्ष में माहौल बनाया। मॉन्ट्रियल स्थित मैकगिल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डैनियल बेलांद का कहना है कि कार्नी तेजी से एक प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं।

कंजरवेटिव नेता की प्रतिक्रिया : वहीं, यह नतीजा कंजरवेटिव नेता पियरे पोइलिव्रे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे पहले ही पिछला आम चुनाव और अपनी संसदीय सीट हार चुके थे, हालांकि बाद में संसद में वापसी कर चुके हैं। पार्टी के भीतर भी उनकी पकड़ कमजोर बताई जा रही है। पोइलिवर ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे देश और संसद में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अगले चुनाव में कनाडा को फिर से वापस लेने की कोशिश करेंगे।

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ़दाशोंगफ़ का अर्थ होता है पानी का गिरना। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर): इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

एक नजर

अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाया

नई टिहरी। टीएचडीसी के टिहरी और कोटेश्वर बांध की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की अग्निशमन इकाई की पहल पर अग्निशमन सेवा सप्ताह पर अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए वीर जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया। भागीरथीपुरम में सीआईएसएफ के कमांडेंट गौरव तोमर ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कार्यस्थल,घरों में अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करें। उन्होंने अग्निशमन कर्मियों के साहस, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। कहा कि वर्ष 2026 के राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस की थीम सुरक्षित विद्यालय,सुरक्षित चिकित्सालय एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज,आग की रोकथाम के लिए एक साथ निर्धारित की गई है। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर सीआईएसएफ के उप कमांडेंट दिनेश चंद्र शुक्ला, टीएचडीसी एजीएम सुरक्षा वीरेंद्र दत्त सेमवाल, डीजीएम एचपी भट्ट, पुरुषोत्तम रावत, आयुष मौर्य, कैलाश ठाकुर, राजेश कुमार, संजय ध्यानी, भगवान सिंह, नवीन कुमार आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय की बानी पंवार ने नगर में किया टॉप

श्रीनगर गढ़वाल। केंद्रीय विद्यालय श्रीनगर की टॉपर बानी पंवार ने नगर क्षेत्र के विद्यालयों में सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा में टॉप किया है। उन्होंने 97.8 अंक हासिल कर यह मुकाम हासिल किया है। वहीं रेनबो स्कूल के उद्विस विक्रम सिंह ने दूसरा और लव भट्ट ने तीसरा स्थान हासिल किया। केंद्रीय विद्यालय की बानी पंवार का कहना है कि वह गणित विषय को केंद्रित रखकर अपना भविष्य बनाना चाहती हैं। उनके पिता होटल व्यावसायी हैं, जबकि माता सरला देवी गृहिणी हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमित रूप से पांच घंटे की पढ़ाई करती हैं। दूसरे ओर रेनबो के उद्विस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, उनकी माता पूजा गढ़वाल विवि में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। देवभूमि स्कूल नकोट के टॉपर अरिहंत इंजीनियरिंग फील्ड में जाना चाहते हैं। उनके पिता अनिल चंद्र जीआईसी कोट में प्रवक्ता हैं जबकि माता मुक्ता डिमरी गृहिणी हैं। श्रीगुरुराम राय इंटर कॉलेज श्रीनगर के टॉपर हर्षित गैरोला ने कहा कि वह इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं। उनके पिता राकेश गैरोला राजकीय प्राथमिक विद्यालय रुद्रप्रयाग में कार्यरत हैं जबकि माता ममता गैरोला गृहिणी हैं।

96 प्रतिशत अंकों के साथ अरिहंत देवभूमि पब्लिक स्कूल के टॉपर बने

श्रीनगर गढ़वाल। सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में नगर क्षेत्र के विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। देवभूमि पब्लिक स्कूल नकोट में अरिहंत डिमरी ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया है जबकि अखिलेश गिरी ने 94.8 प्रतिशत, शार्दुल भट्ट ने 93.6 और नंदिनी चमोली ने 90 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। छात्रों की सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भगवान सिंह धनाई व प्रबंधक पूरण सिंह कठैत ने खुशी जताई है। श्रीगुरुराम राय इंटर कॉलेज श्रीनगर के हर्षित गैरोला ने मुख्य विषयों में 92 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में टॉप किया। अश्विनी नवानी व अक्षिता राणा ने 88 प्रतिशत, अनुष्का नौटियाल ने 86 प्रतिशत और शुभम सकलानी एवं रिया ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य केशव लखेड़ा ने सभी को बधाई दी। वहीं केंद्रीय विद्यालय एसएसबी श्रीनगर का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। बानी पंवार ने 97.8 प्रतिशत अंक हासिल कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। शौर्य रतूड़ी ने 97.2, प्रिंस थपलियाल ने 96.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य कृति ने सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। रेनबो पब्लिक स्कूल श्रीनगर के प्रियांशु राणा ने 96.2, आर्नव नेगी ने 95.6, आयुषी कठैत और अक्षित राणा ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप फाइव में जगह बनाई है। प्रधानाचार्य डॉ. रेखा उनियाल ने बताया कि 27 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। शेमफोर्ड स्कूल से अलस्का गौतम ने 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय टॉप किया जबकि पार्थ तिवाड़ी ने 95.6, श्रेयांशी श्रीन ने 95, अनाहिता ने 94.4 प्रतिशत और आंचल ने 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम पांच सर्वोच्च विद्यार्थियों में अपना स्थान बनाया।

महिला मंगल दल की पहल रंग लाई, जड़धार में नशामुक्त हुईं तीन शादियां

नई टिहरी। ग्राम पंचायत जड़धार गांव में महिला मंगल दल की शराबबंदी की मुहिम धीरे–धीरे रंग लाने लगी है। जड़धार गांव में बीते रोज तीन शादियां कॉकटेल मुक्त संपन्न हुई। ग्राम पंचायत और महिला मंगल दल की ओर से तीनों परिवारों को सम्मानित किया गया। 5 अप्रैल को ग्राम पंचायत की बैठक में शादी–विवाह और अन्य सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराबबंदी करने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए ग्राम समाज सुधार समिति का गठन किया गया था। बीते रोज गांव में मनदीप, सलोनी और सुभाष का विवाह समारोह हुआ। तीनों ही शादियों कॉकटेल मुक्त संपन्न हुईं। शराब का बहिष्कार करते हुए पारंपरिक पकवान और भोज मेहमानों को परोसा गया। महिला मंगल दल की अध्यक्ष ममता देवी ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सही सोच के कारण ही नशा मुक्त समाज अभियान आगे बढ़ रहा है। प्रथम चरण में जो तीन शादियां संपन्न हुई हैं, उसमें मेहमानों को शराब नहीं परोसी गई और पारंपरिक पकवान व भोज से उनका स्वागत किया गया। आगे और भी कई शादियां गांव में होनी है, वह भी कॉकटेल मुक्त ही संपन्न होंगी।

चारधाम यात्रा से पहले हवाई किराया बढ़ने के संकेत

श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले ही हवाई सेवा के किराये में बढ़ोतरी के संकेत मिलने लगे हैं। श्रीनगर स्थित स्वीत हेलिपैड से संचालित हेरिटेज एविएशन की उड़ानें देहरादून, टिहरी, श्रीनगर और गौचर के बीच संचालित हो रही हैं जिनमें यात्रा सीजन के कारण बदलाव की तैयारी है। हेरिटेज एविएशन की फ्लाइट देहरादून से उड़ान भरकर पहले टिहरी, फिर श्रीनगर होते हुए गौचर पहुंचती है। वापसी में भी यही रूट अपनाया जाता है। कंपनी के ऑपरेशन मैनेजर अभिलाष पटवाल ने बताया कि वर्तमान में यह सेवा विशेष ऑफर के तहत चलाई जा रही है। अभी टिहरी और गौचर तक शॉर्ट फ्लाइट का किराया 1,000 रुपये है जबकि देहरादून से गौचर तक का किराया 3,000 रुपये (जीएसटी अतिरिक्त) है। सभी टिकट ऑनलाइन बुक किए जा रहे हैं।

पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स संगठन ने शहीदों के स्वजनों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अपने स्थापना दिवस पर पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स संगठन ने देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों के स्वजनों को सम्मानित किया। कहा कि देश की रक्षा में दिए गए वीर सैनिकों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किय। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर स्व.बीएस बिष्ट की पत्नी सुशीला देवी

ने अपना संबोधन गढ़वाली भाषा में दिया। मंच से अपनी मातृभाषा में बोलकर उन्होंने सबका मन मोह लिया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि ह्लहम तै अपणु आधार कभि नि भूलण चैंद। जु बोली भाषा, संस्कृति अर सभ्यता से हम जुणी जांदां, वु हम तै अपणी नौनी पीढ़ी तैं भी सिखौण चैंद।ह्व कहा कि हमें अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। कर्नल समीर सिंह बिष्ट, सेना मेडल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमति बिष्ट जी ने गौरव सैनिक पैराशूट रेजिमेंट स्पेशल फोर्स संगठन, कोटद्वार के प्रयासों प्रशांसा की। कहा कि संगठन समाज सेवा में भी अपना योगदान दे रहा है। कार्यक्रम के दौरान शहीद सैनिकों के परिवार जनों को सम्मानि किया गया। साथ ही बलिदानी अनिल रावत के नाम पर उनके गांव बरस्वार–कुंडियो मोटर मार्ग का सर्वे होने के बाद भी धरातल पर कार्य प्रारंभ नहीं होने पर रोष व्यक्त किया गया। कहा कि लोक निर्माण विभाग की ओर से केवल दो लोगों को ही मुआवजा दिया गया है। सरकार को जल्द से जल्द इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर गजराज सिंह, चन्द्र शेखर चौहान, अनिल भारद्वाज, शिव सिंह, गोपाल सिंह नेगी, विजेन्द्र सिंह, अनुप चन्द्र ध्यानी, डबल सिंह असवाल, विजय ध्यानी, कमलेश्वर प्रसाद धूलिया, महेंद्र सिंह रावत, सोहन सिंह, श्याम चरण, बलवान सिंह, उपेन्द्र सिंह, देवेन्द्र डंगवाल, भरत सिंह नेगी, पुष्कर सिंह रावत, दान सिंह नेगी, भुवन भंडारी, जसपाल सिंह, राम सिंह रावत, राम सिंह रावत, सतेंद्र सिंह, अनिल कुमार, महावीर सिंह नेगी, बीरेंद्र सिंह रावत, सुरेंद्र प्रसाद जखमोला, अनुप जखमोला, सुधीर सिंह, मनबर सिंह नेगी, नरेंद्र सिंह गुसाईं, वीर सिंह रावत, कमल सिंह, सुशीला देवी, आलोक सिंह, राकेश चंद्र, धर्मेंद्र सिंह पटवाल, पूरन सिंह, वीरेंद्र सिंह, ब्रिजेश चंद्र रतूड़ी, अनिल बलूनी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक सोहन सिंह गुसाईं और मंच संचालन संगठन के सचीव बलवान सिह रावत द्वारा किया गया।

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते अतिथिगण

चंबा–धरासू हाईवे : नगुण में गिरा मलबा नहीं हुआ साफ

नई टिहरी। आपदा के सात माह बाद भी बीआरओ चंबा–धरासू हाईवे पर नगुण में गिरा मलबा साफ नहीं कर पाया। नगुण में हाईवे किनारे मलबा डंप होने से सड़क संकरी बनी है। वहां पर दो वाहन आसानी से एक–दूसरे को पास नहीं दे पा रहे हैं। वाहन चालकों को रुक–रुककर चलना पड़ रहा है।चारधाम यात्रा शुरू होने में अब तीन दिन का समय शेष रह गया है। चंबा–धरासू हाईवे से भी बड़ी संख्या में चारधाम यात्री गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा पर जाते है। नगुण में हाईवे किनारे मलबा डंप होने से चारधार यात्रा पर जाने वाले वाहनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। बीते सितंबर माह में नगुण में पहाड़ी से भूस्खलन के दौरान हाईवे पर भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आ गिरे थे। बीआरओ ने बोल्डर तो हटा दिए है लेकिन मलबा अब भी भारी मात्रा में वहां हाईवे किनारे पसरा हुआ है। नगुण में भूस्खलन

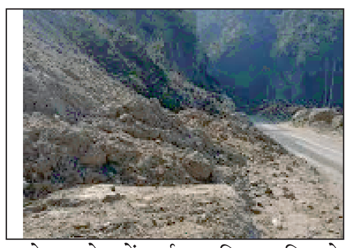

वाले इस क्षेत्र में कई बार बिना बारिश के भी पत्थर और मिट्टी गिरती रहती है।

गोजमेर के पूर्व प्रधान राजेंद्र प्रसाद जोशी का कहना है कि भूस्खलन वाले स्थान के ठीक ऊपर पर गोजमेर गांव स्थित है। भूस्खलन रोकने के लिए नगुण में सुरक्षा के उपाय जल्द किया जाना चाहिए। तहसीलदार सुरेश चंद्र भट्ट का कहना है कि हाईवे से मलबा हटाने के लिए डीएम ने समीक्षा बैठक में बीआरओ को निर्देश दिए हैं। बीआरओ ने कई स्थानों से मलबा हटाने का कार्य शुरू कर दिया है।

शादियों के सीजन से बढ़ा कारोबार, व्यापारियों में खुशी

चमोली। शादियों के सीजन के कारण बाजारों में एक बार फिर से रौनक लौट आई है। लंबे समय की बाद बाजारों में फल, सब्जी, राशन आदि की दुकानों में अच्छी खरीदारी हो रही है जिससे व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं। बैसाखी के पर्व से शादियों का सीजन शुरू हो गया है। इस माह शादियों के कई लगन हैं जिससे बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ हो रही है।

व्यापारी गगन अरोड़ा ने बताया कि शादियों के सीजन में पार्लर, सौंदर्य, माला, कॉस्मेटिक आदि का काम बढ़ गया है। स्टाफ में भी बढ़ोतरी की गई है। फोटोग्राफर अनूप सिंह कठैत ने बताया कि सभी लगन के दिन की बुकिंग फुल है।

जनगणना फार्म करने के बारे में दी जानकारी

कोटद्वार के प्रेक्षागृह में प्रगणकों को संबोधित करते नगर आयुक्त पीएल शाह

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर क्षेत्र में भवन सूचीकरण करवाने के लिए प्रगणकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसके तहत प्रथम दिन प्रगणकों को फार्म करने के बारे में बताया गया। भारत सरकार के माध्यम से नगर क्षेत्र में भवन सूचीकरण करवाए जाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बुधवार को प्रेक्षागृह में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रमुख जनगणना अधिकारी व नगर आयुक्त पीएल शाह ने इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि हमें अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मास्टर ट्रेनर नरेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार नैथानी, कष्ण कुमार नेगी, नीरज कांत, सुनील चंद व राकेश लखेड़ा ने प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया। बताया कि प्रशिक्षण दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण में वार्ड नं.एक से 20 और द्वितीय चरण में 21 से 40 वार्डों के भवनों की गणना की जाएगी। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि भवनों की जनगणना करते समय फार्म में पूछे गए 33 प्रश्नों के उत्तर देने है, जिन्हें भवन स्वामी से पूछ कर भरा जाएगा। मास्टर ट्रेनरों ने प्रगणकों को वार्डों में जाकर भवनों की गणना करने के तरीके बताए। कहा कि वार्डों में कोई भी भवन गणना करने में न छूट पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, जिसको अपने मोबाइल फोन में सुरक्षित रखें। इस मौके पर प्रगणकों ने मकान सूचीकरण की गणना करने में आने वाली समस्याओं को लेकर भी प्रश्न पूछे, मास्टर ट्रेनरों के इन सवालों के जवाब दिए। इस मौके पर चार्ज अधिकारी व सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, सहायक नगर आयुक्त अजय अष्टवाल, नवीन जयमल सजवाण, संतोष मौजूद रहे।

छात्रों को सेना में भर्ती होने के लिए किया प्रेरित

कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया गया। कहा कि हमें सेना में भर्ती होकर देश सेवा में अपना योगदान देना चाहिए।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर व कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय रक्षा सेवाओं में रोजगार के अवसर विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गढ़वाल राइफल रेजिमेंट सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी (वीएसएम)ने किया। ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि युवा देश का भविष्य है। इसलिए हमें इस भविष्य को बेहतर बनाना होगा। राष्ट्रीय रक्षा एकेडमी न सिर्फ युवाओं को सुरक्षित भविष्य देती है बल्कि राष्ट्र को भी सुरक्षित करती है। कहा कि वर्तमान परिवेश में भारतीय सेना, वायु सेना एवं जल सेना की सुदृढ़ता सर्वोपरि है, कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ध्येय केंद्रित, मेहनत एवं लगन ही सफलता की कुंजी है। कंपनी कमांडर कैप्टन निर्भय सिंह ने भारतीय रक्षा सेवाओं में रोजगार के विभिन्न अवसर विषय पर छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान की है। कहा कि सेना में जवानों के पदों पर भर्ती अब अग्निवीर के रूप में होती है। उन्होंने इस योजना के लिए पद, योग्यता, चयन प्रक्रिया, स्वास्थ्य सुरक्षा, वेतन, सेवा अवधि एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी , कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज, शार्ट सर्विस कमीशन, टीईएस, जेएजी विषयों की जानकारी देते हुए छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं के मध्य भारतीय सेना में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय केडेट कोर के उदित कंडारी, आद्या परिहार, डी ए वी पब्लिक स्कूल से दिव्यांशी शर्मा, हेड हेरिटेज एकेडमी से विघ्नेश नेगी को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। साथ ही डा. ऋचा जैन की लिखित पुस्तक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर डा. वीसी शाह, डा. सुरेश कुमार, डा. संजय मदान, डा. प्रमोद कुमार, डीके मौर्य, डा. धर्मवीर सिंह, डा. प्रियंका अग्रवाल, डा. प्रियम अग्रवाल, डा. सोमेश ढौंडियाल, रश्मि बहुखंडी मौजूद रहे।

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी व अन्य

चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं पर विधायक नेगी के सवाल

नई टिहरी। प्रतापनगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी ने चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए है। कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर कहीं पर भी नए शौचालय, हैंडपंप, स्टैंड पोस्ट और पार्किंग नहीं बनाए गए है जो पुराने शौचालय और हैंडपंप है उनकी स्थिति भी बहुत दयनीय है। टिहरी जिले में मेडिकल कॉलेज निर्माण सहित अन्य मांगों को लेकर कांग्रेस 17 अप्रैल को नई टिहरी जिला मुख्यालय में जन आक्रोश रैली निकालेगी।

पत्रकार वार्ता में विधायक नेगी ने कहा कि प्रतापनगर विधानसभा और उत्तरकाशी को जोड़ने वाला डोबरा–मोटणा सड़क के डामरीकरण के लिए वे कई बार प्रस्ताव दे चुके हैं लेकिन डामरीकरण नहीं हो पाया है। फिकवाल और गंगाड़ी समुदाय के लोगों को केंद्रीय ओबीसी में शामिल करने के लिए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने भी घोषणा की थी लेकिन केंद्रीय ओबीसी में शामिल नहीं किया गया है। सेम मुखेम मंदिर जाने वाले पैदल रास्ते पर मुख्यमंत्री ने कैनोपी लगाने की घोषणा की थी वह भी धरातल पर नहीं उतर पाई है। उन्होंने रिंग रोड से प्रभावित होने वाले दुकानदारों को व्यावसायिक दरों से भुगतान करने की मांग की। जंगली जानवरों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग परेशान हैं। सरकार स्थायी समाधान करने के बजाय मुआवजे की राशि बढ़ा रही है।कहा कि प्रत्येक वर्ष टिहरी बांध से रॉयल्टी के तौर पर प्रदेश सरकार को 207 करोड़ रुपये मिलते हैं। इससे बांध प्रभावितों को निशुल्क बिजली पानी दिया चाहिए। जन आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रतिपक्ष नेता यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह नई टिहरी पहुंचेंगे।

सात लोगों को मिला राज्य आंदोलनकारी का दर्जा

नई टिहरी। राज्य आंदोलनकारियों की जिलास्तरीय चयन समिति बैठक में सात लोगों को राज्य आंदोलनकारी का दर्जा मिला। बैठक में कुल 21 प्रकरण प्रस्तुत किए गए लेकिन 14 प्रकरण विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों की जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में 21 प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। समिति ने सात प्रकरणों को पदाधिकारी की पुष्टि, प्रशासन, एलआईयू के अभिलेखों के आधार पर निर्णय लेते हुए संबंधित को राज्य आंदोलनकारी सूची में सम्मिलित करने की स्वीकृति दी है जिनमें नैनबाग के कसोन गांव के सुरेंद्र सिंह, ढालवाला की कौशल्या देवी, स्व. वाचस्पति कुड़ियाल, सिरसेड कीर्तिगनर के विचित्र सिंह, नई टिहरी की लक्ष्मी डंगवाल और एकता डंगवाल, नैलचामी घनसाली के हुकम सिंह कंडारी शामिल हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की गहनता, पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ समीक्षा सुनिश्चित करें। इस मौके पर एसडीएम सदर कमलेश मेहता, धनोल्टी नीलू चावला, कीर्तिनगर मंजू राजपूत, प्रतापनगर अंकित राज, एसीएमओ बृजेश डोभाल, समिति के सदस्य पुरुषोत्तम बिष्ट, मुरारी लाल खंडवाल, कुंवर सिंह चौहान, लोकेंद्र दत्त जोशी, दिनेश डोभाल आदि मौजूद रहे।

डांडा नागराजा मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः डांडा नागराजा मंदिर समिति की ओर से बुधवार को मेला का आयोजन किया गया। मेले में श्रद्धलुओं का जन सैलाब उमड़ा हुआ था। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक झांकियां भी निकाली गई।

पौड़ी जनपद के कंडवालस्यू पट्टी स्थित सिद्धपीठ डांडा नागराजा मंदिर में हर वर्ष बैशाख के दूसरे दिन यह मेला आयोजन होता है। डांडा नागराजा मंदिर परिसर में मेला का शुभारंभ मुख्यातिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पौड़ी रचना बुटोला एवं क्षेत्रीय विधायक राजकुमार पोरी प्रवासी अतिथि अरुण भट्ट ने किया। श्री डांडा नागराजा धर्म क्षेत्र के अध्यक्ष सुभाष देशवाल ने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में प्रवासी जन पहुंचे थे।

विशेष अतिथि कोट ब्लॉक प्रमुख गणेश कोली,ज्येष्ठ प्रमुख कोट उपेंद्र भट्ट,कनिष्ठ प्रमुख अनिल गुसाई,खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी,पूर्व प्रमुख श्रीमती पूर्णिमा नेगी,समानसेवी आनंद सिंह नेगी समाजसेवी विनोद धनोसी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके उपरांत मुकेश कठैत एवं उनके साथी गायकों में धनराज शौर्य सहित कई जाने माने चर्चित लोक गायकों ने अपनी प्रस्तुती दी। मुकेश कठैत के श्री डांडा नागराजा पर आधारित भजन पर श्रद्धालु खूब थिरके।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अभिनय मंच के कलाकारों द्वारा शिव पार्वती,राधा कृष्ण की नृत्य की झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। श्री डांडा नागराजा मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेश चमोली ने बताया मंदिर समिति ने मिले आयोजन को लेकर जिला प्रशासन को पूर्व में अगवत करवा दिया था जिसमें प्रशासन से हर वर्ष की तरह सहयोग किया। जिसमें खासकर जिलाधिकारी पौड़ी का आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर श्री डांडा नागराजा धर्म क्षेत्र पुजारी गणेश देशवाल,किशोर देशवाल,मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेश चमोली,उपाध्यक्ष उपेंद्र भट्ट,राजेंद्र प्रसाद बिजलवाण पूर्व अध्यक्ष शशिकांत चमोली, रणवीर सिंह,महवीर सिंह रावत ,विनोद देशवाल देवेंद्र कुकरेती,सुमन रावत गुमान सिंह रावत,देवेंद्र कुकरेती,बीरेंद्र प्रसाद भट्ट,नत्थी सिंह रावत,शेर सिंह रावत,हेमंत सिंह आदि मौजूद रहे। मेला परिसर सुरक्षा व्यवस्था में देवप्रयाग थाना प्रभारी अमरजीत सिंह रावत की टीम मुस्तैद दिखी। सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन का मंच संचालन अजय डोभाल ने किया ।

केवि की मानसी व पीस की प्रियांशी बनीं जिला टॉपर

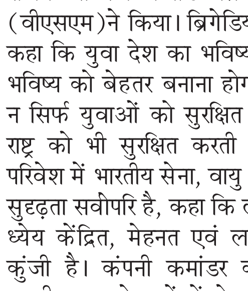

चमोली। सीबीएसई दसवीं के परीक्षा परिणाम में चमोली के छात्र–छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर की मानसी तोपाल और पीस पब्लिक स्कूल की प्रियांशी त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से 97.2 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में टॉप किया है। अन्य विद्यालयों का परीक्षा परिणाम भी काफी बेहतर रहा है। बुधवार को सीबीएसई का परीक्षा परिणाम जारी होते ही छात्र–छात्राओं के चेहरे खिल उठे। अधिकांश विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर के 27 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी और सभी उत्तीर्ण रहे। पीस पब्लिक स्कूल के शुभ भंडारी 97 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नवोदय विद्यालय की गुंजन 96.8 प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर रही। पीस पब्लिक स्कूल में 63 छात्र–छात्राओं में सभी उत्तीर्ण हुए हैं। यहां से छह विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। वहीं एसजीआरआर गोपेश्वर का परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा है। विद्यालय के तीन छात्र–छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं जबकि अधिकांश छात्र–छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। केंद्रीय विद्यालय जोशीमठ का परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा है।

10वीं के टॉप पर रहे छात्र–छात्राएं

– प्रियांशी त्रिपाठी, 97.2, पीस पब्लिक स्कूल
– मानसी तोपाल, 97.2, केंद्रीय विद्यालय गोपेश्वर
– शुभ भंडारी, 97, पीस पब्लिक स्कूल
– गुंजन, 96.8, नवोदय वि. पीपलकोटी
– अराध्या, 93.8 एसजीआरआर गोपेश्वर
– अवधेश पंवार, 93.6, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर
– भावना, 92.6, एसजीआरआर गोपेश्वर
– आदित्य नेगी, 91.6, एसजीआरआर गोपेश्वर
– अंशिका, 91.2, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर
– पर्वण किमोठी, 90.2 प्रतिशत, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर – अंशु कोहली, 90, पीस पब्लिक स्कूल गोपेश्वर

अब सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खुलेगी गढ़वाल विवि की लाइब्रेरी

श्रीनगर गढ़वाल। एचएनबी केंद्रीय विवि की लाइब्रेरी अब सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खुलेगी। छात्र संगठन आइसा की ओर से छात्रसंघ उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे लाइब्रेरी खोलो आंदोलन के बाद विवि ने यह निर्णय लिया है। हालांकि आइसा की ओर से लाइब्रेरी को 24 घंटे खोले जाने की मांग की जा रही थी। मगर विवि की ओर से भौगोलिक परिस्थितियों और सुरक्षा कारणों को देखते हुए विवि ने सुबह 6 बजे से रात 10 बजे रात लाइब्रेरी खोले जाने का आश्वासन दिया। इस पर छात्रों ने सहमति जता दी और आंदोलन स्थगित कर दिया। छात्र संघ उपाध्यक्ष शिवांक नौटियाल ने कहा कि दो दिनों तक लगातार करीब 50 घंटे तक यह आंदोलन चला। रात में आंदोलित छात्रों ने लाइब्रेरी में पढ़ाई की। उन्होंने कहा कि विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं ने मंगलवार देर रात उनसे वार्ता कर मांगों पर ठोस आश्वासन दिया। कहा कि चौरस और बिड़ला परिसर की लाइब्रेरी सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेंगी और यह व्यवस्था सोमवार 20 अप्रैल से लागू होगी। उन्होंने लाइब्रेरी में सीटों को बढ़ाने की भी मांग रखी। प्रस्ताव दिया गया कि जो खाली बिल्डिंग है उसमें शुरुआत के तौर पर छात्रों के पढ़ने की व्यवस्था की जाए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

गौतम गंभीर को हटाया तो.., मुनाफ पटेल ने दी कड़ी चेतावनी, रोहित-कोहली को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीओआई से बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो। रोहित शर्मा को ना कहकर देखो। मुझे बताओ देश को कोचिंग देने के लिए गंभीर कितने लोगों को अपना दुश्मन बना रहे हैं? इन सब बातों के बावजूद, गंभीर ने एक व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर बेहतरीन काम किया है और भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप में खिताब दिलाए हैं।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, 'जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।' उन्होंने कहा, 'दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।' एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं।

मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी। इसलिए मेरा मानना है कि धोनी को फिर से लय में लाने का ये सबसे बेहतर तरीका है। इससे उनकी फिटनेस को लेकर भी कोई खतरा नहीं रहेगा।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3=30 बजे शुरू होगा।

वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7=30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई ।अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है।टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है।टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है।अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं। ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है।25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं।वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं।ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है।वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है।सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे।वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये।इसके बाद दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ऑकलैंड। न्यूजीलेंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में बुधवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (PNG) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई।इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा।न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंतत- टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद।सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया।वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है।आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया।इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया।प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया।अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके।प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है।वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा।

मैच में बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, 'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा।'

इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा।

लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा,'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

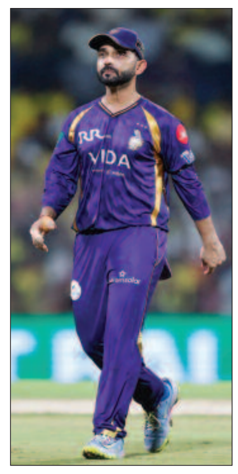

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा।मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए।जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई।इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया।मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.द्द4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला, वेई ई ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी ।दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है।जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे।वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है।मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी।यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।'जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया।उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया।मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था।उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती।वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे।जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा।जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता।अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे।उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे।वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे।वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोल्ड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट था। . उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारवुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा

ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुधींद्र, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनूम बिहारी, 2019 में अल्जारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।